

ग्वालियर

भोपाल

अधि. 36.0

अधि. 32.0

न्यून. 24.0

न्यून. 21.0

भारतमत्

सिनेमा@प्रेज-07

■ ग्वालियर ■ भोपाल ■ झांसी से एक साथ प्रकाशित

झांसी, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 आश्विन कृष्णपक्ष-10, संवत 2083, वर्ष-11 अंक-193 कुल पृष्ठ-8

मूल्य-₹ 2.00

Email: editorbharatmat@gmail.com

6 दिन पहले मारे गए आतंकी के पास बरामद हुई थी

आतंकी ट्रेकिंग से बचने को LoRa डिवाइस इस्तेमाल कर रहे : इंटरनेट-मोबाइल टॉवर की जरूरत नहीं

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में आतंकी ट्रेकिंग से बचने के लिए LoRa डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे हैं। LoRa यानी लॉन्ग रेंज डिवाइस। यह कम पावर वाली रेडियो-फ्रीक्वेंसी कम्युनिकेशन तकनीक है। इसके जरिए मैसैज, लोकेशन और अन्य डेटा भेजा जाता है। सुरक्षा एजेंसियों ने कम्युनिकेशन डिवाइस के इस्तेमाल को लेकर अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, इन डिवाइस के जरिए आतंकी सामान्य मोबाइल नेटवर्क या वाई-फाई के बिना संपर्क कर सकते हैं। यह मामला

29 सितंबर के बडगाम ऑपरेशन के बाद सामने आया। जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर हाशिम मूसा मारा गया था। सूत्रों के मुताबिक, मौके से AK-

47, दो मैगजीन, एक LoRa/Ultra डिवाइस हैंडसेट और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था। न्यूज एजेंसी ANI के सूत्रों के मुताबिक, मोहम्मद आसिफ उर्फ

मूसा का जन्म 7 मार्च 1980 को हुआ था। वह 2000 में PA-3106947 सर्विस नंबर के साथ पाकिस्तान सेना में भर्ती हुआ। बाद में हवलदार के पद से रिटायर हुआ। 2005 में मोहम्मद आसिफ को स्पेशल सर्विसेज ग्रुप (SSG) में शामिल किया गया। 4 कमांडो 'यलंगार' बटालियन में भी रहा। 2006 से उसकी पोस्टिंग बलूचिस्तान में रही। 2006 से 2009 के बीच मूसा ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की VVIP सुरक्षा टीम के सदस्य के तौर पर भी काम किया था।

LoRa सिस्टम अनलाइसेंस रेडियो बैंड में काम करते हैं

LoRa सिस्टम आमतौर पर क्षेत्र और डिवाइस के हिसाब से अनलाइसेंस रेडियो बैंड में काम करते हैं। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों के बीच ऐसे डिवाइस का इस्तेमाल कितने स्तर तक हो रहा है और इनके कम्युनिकेशन नेटवर्क को कैसे ट्रैक और बाधित किया जा सकता है।

मूसा पर एक दर्जन से ज्यादा हमलों का आरोप

- मूसा को मार गिराना जम्मू-कश्मीर में सक्रिय बड़े आतंकी कमांडों में से एक के खिलाफ पांच साल से चल रही तलाश का अंत है। मूसा सुरक्षा बलों और आम लोगों पर हुए एक दर्जन से ज्यादा बड़े आतंकी हमलों में सीधे शामिल था। उसने अप्रैल 2023 में पुंछ के भद्रा दुरिया में हुए हमले की साजिश रची थी। इसमें पांच सैनिक मारे गए थे। इसके बाद मई 2023 में राजौरी के कांडी जंगल में

- मूसा को मार गिराना जम्मू-कश्मीर में सक्रिय बड़े आतंकी कमांडों में से एक के खिलाफ पांच साल से चल रही तलाश का अंत है। मूसा सुरक्षा बलों और आम लोगों पर हुए एक दर्जन से ज्यादा बड़े आतंकी हमलों में सीधे शामिल था। उसने अप्रैल 2023 में पुंछ के भद्रा दुरिया में हुए हमले की साजिश रची थी। इसमें पांच सैनिक मारे गए थे। इसके बाद मई 2023 में राजौरी के कांडी जंगल में

और अहम ढांचों को निशाना बनाया शुरू कर दिया था। 20 अक्टूबर को गंदरबल में गगनगीर टनल प्रोजेक्ट के निर्माण शिविर पर हमला हुआ था। इसमें एक स्थानीय डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे। इसके चार दिन बाद उसके मॉड्यूल ने बुटापथरी में सेना के वाहन पर घात लगाकर हमला किया। इसमें दो सैनिक और दो सिविल डिफेंस पोर्टर मारे गए थे।

मांग- फैसला आने तक कामकाज से अलग रखा जाए

सुप्रीम कोर्ट में CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुनवाई आज : SIR से जुड़ा एकतरफा फैसला लेने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट आज CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। ये याचिकाएं स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन (SIR) से जुड़े फैसलों को लेकर दाखिल की गई हैं। आरोप है कि SIR से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए। याचिकाकर्ताओं ने इन फैसलों को पलटने, ज्ञानेश कुमार पर मुकदमा चलाने और SIR में मतदाताओं के नाम हटाने की SIT जांच की मांग की है। साथ ही CEC को अंतिम फैसला आने तक पद के कामकाज से अलग रखने की भी मांग की गई है। C.J. जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। याचिकाओं में कहा गया है कि SIR के दौरान 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13 करोड़ नाम हटाए गए। इस पूरे मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें SIR को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैरल के भीतर रद्दक प्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, SIR प्रक्रिया की देखरेख तीनों अधिकारियों ने की है, लेकिन संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार औपचारिक रूप से आपत्तियां दर्ज कराईं।

फॉर्म 6 और वोटर डेटा को लेकर भी आरोप

याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि Form 6 में बिना अनुमति बदलाव किया गया। इसके अलावा, वोटर लिस्ट के डेटाबेस को सेंट्रलाइज करने का भी आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि ECINet सिस्टम के जरिए पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा बहाल नहीं किए गए। इसमें EC के नाम पर बताए गए मतदाताओं को शामिल करने को चुनौती देते हुए पश्चिम बंगाल में 16.10 लाख अपीलें दाखिल किए जाने का भी जिक्र है।

विपक्ष अगले सत्र में महाभियोग लाने की तैयारी में

विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था लेकिन लोकसभा में वह प्रस्ताव खारिज हो गया था, जबकि राज्यसभा में अभी भी लंबित है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार भी महाभियोग प्रस्ताव को कांग्रेस ही लीड कर रही है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों से बात की है। संभावना है कि इसे अगले

2 हफ्तों के भीतर पेश किया जाएगा। एक और मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा है, जहां एक वकील ने भारत के अर्जेंटीन जनरल को पत्र लिखकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई चलाने की मांग की है। इनमें से 4 आपत्तियां एक ही दिन में दर्ज की गईं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ये आपत्तियां उन फैसलों और आदेशों को लेकर थीं, जिनमें संधू और जोशी की जानकारी के बिना जारी किया गया था।

पहली याचिका की मांगें

- याचिका पटना के राकेश कुमार सिंह ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि चुनाव आयोग एक बहुसदस्यीय संस्था है। इसलिए इसके फैसले एकतरफा नहीं लिए जा सकते।
- आयोग के मूल रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की गई है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि विवादित कदम संवैधानिक और कानूनी व्यवस्था के अनुसार उठाए गए थे या नहीं।
- अंतरिम राहत के तौर पर याचिका में ज्ञानेश कुमार को CEC पद से निलंबित करने की मांग की गई है।

दूसरी याचिका की मांगें

- याचिका एडवोकेट शैलेंद्र गणि त्रिपाठी ने दाखिल की है। इसमें एकतरफा लिए गए 14 फैसलों को रद्द करने की मांग की गई है।
- याचिका में रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र न्यायिक जांच कमीशन या SIT बनाने की मांग की गई है। इसमें साइबर सिक्योरिटी और IT एक्सपर्ट भी रखे जाएं।
- प्रस्तावित जांच में ECINet और ERONet डेटाबेस का फोरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की गई है।
- SIR के दौरान 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 13 करोड़ नाम हटाए जाने की परिस्थितियों की जांच भी मांगी गई है।

ज्ञानेश कुमार के अलावा बाकी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

याचिका में सक्षम प्राधिकरण को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत शिकायत दर्ज करने और मुकदमा शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई है। यह कार्रवाई ज्ञानेश कुमार, सीनियर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग, डायरेक्टर जनरल (IT) सीमा खन्ना और जिम्मेदार पाए जाने वाले अन्य अधिकारियों के खिलाफ मांगी गई है। याचिका में धारा 32 का हवाला दिया गया है।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर

महिला हॉकी खिलाड़ी इशिका चौहान से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वीडियो कॉल कर दी बधाई

सिंधिया ने ग्वालियर की बेटी इशिका की उपलब्धि पर जताया गर्व, उज्ज्वल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

ग्वालियर/दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी एवं ग्वालियर की बेटी इशिका चौहान से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वीडियो कॉल कर बात की और उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इशिका और पूरी भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। ग्वालियर की बेटी के रूप में इशिका की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने पूरे ग्वालियर का गौरव

बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम के LA Olympics 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर इशिका और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब से ही ओलिंपिक की तैयारी में जुटने का समय है। बातचीत के दौरान इशिका ने ग्वालियर की एकडेमी से किया है। ग्वालियर की बेटी के रूप में इशिका की इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने पूरे ग्वालियर का गौरव

मिले प्रशिक्षण और एक्सपोजर को अपने खेल के सफर में महत्वपूर्ण बताया।

सुप्रीम कोर्ट ने 135 साल पुरानी लाइब्रेरी पर जवाब मांगा

सरकार से पूछा- सेंट्रल विस्टा में 8.5 लाख किताबों के लिए कितनी जगह, क्या दो कमरे मिलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी (CSL) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से तीन हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा कि नए सेंट्रल विस्टा प्लान में लाइब्रेरी के लिए कितनी जगह दी गई है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने सोमवार को केंद्र से जगह का लेआउट प्लान और पूरा ब्यूरो हलफनामे में देने को कहा है। कोर्ट ने पूछा कि 1891 से चल रही लाइब्रेरी और 8.5 लाख किताबों के साथ आरके पुरम में रखी 2 लाख किताबों के लिए क्या सिर्फ दो कमरे दिए जा रहे हैं। कोर्ट ने पूछा कि आरके पुरम में रखी किताबों का क्या होगा। सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ

केंद्र ने कहा- लाइब्रेरी के लिए जगह तय : केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) ने कहा कि कर्तव्य पथ पुनर्विकास योजना में लाइब्रेरी के लिए जगह तय है। मंत्रालय ने X पर बताया कि नई लाइब्रेरी के निर्माण की प्रक्रिया भी चल रही है।

1891 में हुई थी शुरुआत

- सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की शुरुआत 1891 में इंपीरियल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी के रूप में हुई थी।
- 1911 में इसे कलकत्ता से दिल्ली लाया गया। बाद में यह नॉर्थ ब्लॉक और फिर शास्त्री भवन पहुंची। 1969 से यह

शास्त्री भवन में चल रही है।

- चार मंजिला लाइब्रेरी करीब 5,500 वर्ग मीटर में फैली है और इसका इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र भी करते हैं।

वकील हरिप्रिया पद्मनाभन को अमिकस

क्यूरी नियुक्त किया है।

शास्त्री भवन हटाने की योजना से विवाद शुरू

सेंट्रल विस्टा योजना के तहत शास्त्री भवन को हटाने की योजना है। यहां 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी चल रही है, जिसे दूसरी जगह शिफ्ट करना होगा। लाइब्रेरी में 8.5 लाख से ज्यादा किताबें और दस्तावेज हैं। 29 सितंबर की द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में नई जगह पर्याप्त होने पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले खुद से नोटिस लिया।

जलीय जीवों के अस्तित्व पर भी खतरा

चंबल नदी राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नदी से अवैध तरीके से रेत निकालने से नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होने के साथ ही जलीय जीवों के जीवन पर भी खतरा पैदा होता है। खासकर घड़ियाल और अन्य जलीय जीवों के प्रजनन स्थलों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। अब बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन की सख्ती और रात में गश्त के दावों के बावजूद चंबल की रेत निर्माण स्थलों तक कैसे पहुंच रही है? क्या जिम्मेदार विभाग निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रही रेत के स्रोत की जांच कराएंगे और अवैध रेत मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे?

रात में गश्त के दावों के बीच नदी से नहीं थम रहा अवैध उत्खनन, जलीय जीवों पर भी मंडरा रहा खतरा

कलेक्टर की नाक के नीचे पहुंच रही चंबल की रेत

चंबल नदी से अवैध उत्खनन रोकने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की बात कही जाती है। इसके बावजूद जिला मुख्यालय में कलेक्टर कार्यालय के पीछे चल रहे निर्माण कार्य तक चंबल की रेत पहुंचने के आरोप ने निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि जब जिला मुख्यालय में ही ऐसी स्थिति है तो नदी के दूरस्थ घाटों और बीहड़ क्षेत्र में अवैध उत्खनन की निगरानी किस तरह हो रही है।

कार्रवाई के दावों के बीच जारी है रेत का खेल- चंबल नदी से रेत उत्खनन पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इसके बावजूद रेत माफिया द्वारा नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों से रेत निकालने के आरोप लगातार सामने आते रहे हैं। प्रशासन समय-समय पर कार्रवाई कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहन जब्त करने का दावा करता है, लेकिन कार्रवाई के बाद भी अवैध उत्खनन पूरी तरह रुकता नजर नहीं आ रहा है।

चंबल से रेत उत्खनन पर रोक के दावे खोखले, कलेक्टर कार्यालय के पीछे निर्माण में रेत के इस्तेमाल का आरोप

सुरेन्द्रा

चंबल नदी से अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने के प्रशासन के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ लगातार कार्रवाई किए जाने और कलेक्टर-एसपी के रात में गश्त करने के दावों के बावजूद चंबल नदी से रेत का अवैध उत्खनन जारी होने के आरोप सामने आ रहे हैं। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि कलेक्टर कार्यालय के पीछे चल रहे निर्माण कार्य में चंबल नदी की

रेत के इस्तेमाल की बात सामने आई है। यदि निर्माण स्थल पर इस्तेमाल हो रही रेत चंबल नदी से लाई गई है, तो सवाल यह है कि

प्रतिबंधित क्षेत्र से रेत निकालकर उसे शहर तक पहुंचाने वाला नेटवर्क आखिर प्रशासन की नजर से कैसे बच रहा है।

प. बंगाल की दो सीटों पर कल उपचुनाव : 15 साल में पहली बार ममता न सीएम-विधायक

कोलकाता, एजेंसी

देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में कल उपचुनाव होगा। इसमें पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की दो-दो विधानसभा सीटें शामिल हैं। वहीं पुडुचेरी में एक विधानसभा और असम में एक लोकसभा सीट पर वोटिंग होगी। सबसे अहम पश्चिम बंगाल है जहां 15 साल में पहली बार ऐसा चुनाव होगा। जब ममता बनर्जी राज्य में न तो सीएम हैं, न ही विधायक और न उम्मीदवार। मई में आए विधानसभा चुनाव रिजल्ट में TMC

सत्ता से बाहर हो गई थी। ममता भी अपनी सीट हारी थी। पहले चर्चा थी कि वे नंदीग्राम से उपचुनाव लड़ सकती हैं लेकिन उन्होंने वहां से सचिचा प्रधान को टिकट दिया। बाद में सचिचा चुनाव से पीछे हट गईं। अब इस सीट पर ममता का कोई कैंडिडेट नहीं है। बंगाल में दूसरी सीट रेजीनगर पर वोटिंग होगी। सभी सीटों पर रिजल्ट 9 अक्टूबर को होगा। नंदीग्राम सीट पर कैडिडेट सचिचा प्रधान के नामांकन वापसी के बाद ममता के पास सिर्फ कांसि उम्मीदवार को सपोर्ट करने का ऑप्शन बचा।

भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के बंगले में चोरी

एक्टिवा, सिलेंडर और नल की टोटियां ले गए चोर

भोपाल। भाजपा विधायक प्रीतम लोधी के 45 बंगला स्थित सरकारी आवास में चोरी हो गई। चोर ताला तोड़कर एक्टिवा, दो गैस सिलेंडर और नल की टोटियां चोरी कर ले गए। बंगला जुलाई महीने से खाली था। टीटी नगर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी राजेश लोधी विधायक के भतीजे हैं। वह 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे अपने ताऊ विधायक प्रीतम लोधी के साथ बंगले पर ताला लगाकर शिवपुरी चले गए थे। 30 सितंबर की रात करीब 11 बजे लौटे तो पीछे की तरफ का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो एक्टिवा, दो सिलेंडर और टोटियां गायब थीं।

टीटी नगर थाना प्रभारी गौतम सिंघ दोहर ने बताया कि शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल की जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

शाहपुरा में चाय दुकान पर कुर्सी को लेकर विवाद, ऑटो ड्राइवर ने रैपिडो ड्राइवर को चाकू मारा



भोपाल। राजधानी भोपाल के शाहपुरा थाना इलाके में चाय-नाश्ते की दुकान पर कुर्सी पर बैठने को लेकर हुए विवाद में ऑटो चालक ने रैपिडो ड्राइवर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रैपिडो ड्राइवर के सिर और हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना गुरुवार रात की है। शाहपुरा पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शाहपुरा सी-सेक्टर निवासी रामराज सिंह (38) रैपिडो चालक हैं। 1 अक्टूबर की रात करीब 10~45 बजे वह एक निजी अस्पताल के सामने सवेरिया चाय-नाश्ते की दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान ऑटो चालक नसीम खान से कुर्सी पर बैठने को लेकर कड़वसुनी हो गई। आरोप है कि नसीम ने गाली-गलौज शुरू कर दी। रामराज ने विरोध किया तो नसीम ने मारपीट के बाद जेब से चाकू निकालकर उनके सिर और दाहिने हाथ की हथेली पर वार कर दिया।

दुकान पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी मौके से भाग निकला। घायल की शिकायत पर शाहपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया है।

150 हारमोनिका वादकों ने एक मंच पर दी अनूठी संगीतमय प्रस्तुति

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एक साथ गूंजी माउथ ऑर्गन की धुनें

भोपाल। राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में शनिवार को अनूठा संगीतमय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 150 हारमोनिका वादकों ने एक ही मंच पर एक साथ माउथ ऑर्गन बजाकर सामूहिक प्रस्तुति दी। अनेक वादकों के सुरों और तालमेल ने इस आयोजन को विशेष बनाया।

एक ही मंच पर 150 हारमोनिका वादकों की सामूहिक प्रस्तुति नया रिकॉर्ड बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रही। माउथ ऑर्गन की समवेत धुनों के माध्यम से कार्यक्रम में संगीत और सामूहिक समन्वय की सुंदर झलक देखने को मिली।

निगम अमले ने फिर दिया तत्परता का परिचय



भोपाल, । नगर पालिक निगम, भोपाल का स्वास्थ्य विभाग का अमला शहर में आयोजित होने वाले बड़े कार्यक्रमों से पहले और कार्यक्रम उपरांत त्वरित गति से रिकार्ड समय में साफ-सफाई करने के अपने रिकार्ड में निरंतर नये आयामों को छू रहा है। इसी तारतम्य में शनिवार को एक बार फिर निगम अमले ने तत्परता एवं कार्यकुशलता का परिचय देते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के मुख्य अतिथ्य एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अध्यक्षता तथा मंत्रीगणों, सांसदगणों व महापौर श्रीमती मालती राय की विशेष उपस्थिति में भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन के समाप्त होने के पश्चात एक घंटे के रिकार्ड समय में आयोजन स्थल भेल दशहरा मैदान एवं 07 पार्किंग स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों/ मार्गों की साफ-सफाई की और तत्काल ही लगभग 0.5 टन कचरा एकत्रित कर ट्रांसफर स्टेशन पर पहुंचाया गया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन के समाप्त होने के बाद एक घंटे के रिकार्ड समय में भेल दशहरा मैदान एवं उसके आसपास के क्षेत्रों एवं 07 पार्किंग स्थलों व मार्गों तथा अस्थाई/चलित शौचालयों की साफ-सफाई की और उक्त सभी क्षेत्रों को साफ-स्वच्छ बनाया। उक्त साफ-सफाई एवं कचरा उठाने का कार्य 150 सफाई मित्रों एवं 08 वाहनों के माध्यम से किया गया।

6 हजार व्यवसायिक शिक्षकों के पक्ष में सरकार का फैसला

13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म, कर्मचारियों को नहीं हटा पाएंगी नई कंपनियां

भोपाल(नप्र)। मध्य प्रदेश में विद्यालयों में व्यवसायिक शिक्षा से जुड़े आउटसोर्स व्यवसायिक शिक्षकों को अब कोई नई कम्पनी सेवा से नहीं हटा पाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके आदेश जारी करते हुए कहा है कि प्रदेश में अलग-अलग ट्रेड के लिए काम कर रही 13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म कर नई कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन नई कंपनियों को पहले से काम कर रहे कर्मचारियों को सेवा में रखना होगा। उन्हें कम्पनी हटा नहीं सकेगी। प्रदेश में ऐसे शिक्षकों की संख्या 6 हजार है। स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े आउटसोर्स व्यावसायिक शिक्षक यथावत काम करते रहेंगे। समय शिक्षा की ओर 13 कंपनियों का एग्रीमेंट खत्म करते हुए व्यावसायिक प्रशिक्षकों को यथावत काम करते रहने का आदेश जारी किया गया है। व्यावसायिक शिक्षा में 50 से अधिक कंपनियां काम करती हैं, जो आउटसोर्स व्यावसायिक प्रशिक्षकों को लगातार परेशान करती थीं। इनके द्वारा पैसे लेकर जॉनिंग देना, नियुक्ति करना आम बात हो गई थी जिसके खिलाफ दो महीने पहले व्यावसायिक शिक्षकों ने भोपाल में दो दिवसीय आंदोलन किया था। पहले दिन अवेडकर पार्क में धरना दिया, दूसरे दिन डीपीआई का घेराव किया। इसके बाद आयुक्त से हुई चर्चा के बाद यह आदेश आया है, जिसे नौकरी में सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय माना जा सकता है।

ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने इसे संघर्ष की जीत बताते हुए प्रदेश के व्यावसायिक प्रशिक्षकों को बधाई दी और बिचौलियों को पूरी तरह भगाने के संघर्ष को ताकत देने का आव्हान किया है। शर्मा ने कहा है कि इस जीत ने साबित किया है कि संघर्ष से सब कुछ हासिल किया जा सकता है, बशर्ते संघर्ष की दिशा सही हो। इसको लेकर 10 अक्टूबर को भी आंदोलन प्रस्तावित है।

रिव्यू मीटिंग में इन कंपनियों के साथ एग्रीमेंट खत्म: लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को दिए निर्देश में बताया है कि जिन कम्पनियों का एग्रीमेंट खत्म कर दिया गया है उनमें एग्रीकल्चर ट्रेड की आकाश एग्री सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, वालेअर फैबटेक्स प्राइवेट लिमिटेड,



इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर ट्रेड की एसेसिव एडुकेयर लिमिटेड, टाइम्स सेंटर फॉर लर्निंग लिमिटेड, अल्टीमेट एनर्जी, अपरेल ट्रेड की ब्राइट पप्पुचर डॉट कॉम स्किल प्राइवेट लिमिटेड, हेल्थकेयर ट्रेड की डीसीआई मल्टी स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, आईटी, आईटीजी ट्रेड की एवरग्रीन एजुकेशन ट्रस्ट, जीके एजुकेशनल ट्रस्ट, आईसीए एजुस्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडस एजुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड, एलपनजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ब्यूटी एंड वेल्नेस ट्रेड की वीएलसीसी हेल्थकेयर शामिल हैं। इंडस एजुट्रेन प्राइवेट

लिमिटेड, टाइम्स सेंटर फॉर लर्निंग लिमिटेड, अल्टीमेट एनर्जी, अपरेल ट्रेड की ब्राइट पप्पुचर डॉट कॉम स्किल प्राइवेट लिमिटेड, हेल्थकेयर ट्रेड की डीसीआई मल्टी स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, आईटी, आईटीजी ट्रेड की एवरग्रीन एजुकेशन ट्रस्ट, जीके एजुकेशनल ट्रस्ट, आईसीए एजुस्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडस एजुट्रेन प्राइवेट लिमिटेड, एलपनजे इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स एंड टेक्नालॉजी प्राइवेट लिमिटेड, ब्यूटी एंड वेल्नेस ट्रेड की वीएलसीसी हेल्थकेयर शामिल हैं। इंडस एजुट्रेन प्राइवेट

आठवीं तक का सिलेबस 31 जनवरी तक होगा पूरा

1 फरवरी से जनगणना में लगेगी शिक्षकों की ड्यूटी; राज्य शिक्षा केंद्र ने डीईओ को दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8वीं तक के बच्चों का पाठ्यक्रम इस शैक्षणिक सत्र में 31 जनवरी तक पूरा कराया जाएगा। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल ने आगामी 1 फरवरी से शुरू होने वाले जनगणना के दूसरे चरण को देखते हुए यह निर्देश जारी किए हैं। जनगणना के राष्ट्रीय महत्व के कार्य में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी प्रभावित न हो, इसलिए पाठ्यक्रम पूरा कराने को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है।

चार माह में पूरा कराना होगा बकाया कोर्स: राज्य शिक्षा केंद्र ने शिक्षा सत्र 2026-27 के तहत सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला परियोजन समन्वयकों को निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि अपने जिले के विद्यालयों में पढ़ाई के लिए बकाया पाठ्यक्रम चार माह में पूरा कराया जाए। शैक्षणिक कैलेंडर में विषय-वस्तु का



विभाजन 9 माह में और 10वें माह में वार्षिक मूल्यांकन के रूप में किया गया है। **जरूरत के अनुसार समय-सारणी में बदलाव:** निर्देशों में कहा गया है कि आवश्यकता के अनुसार शाला की समय-विभाजन 9 माह में और 10वें माह में वार्षिक मूल्यांकन के रूप में किया गया है। **जरूरत के अनुसार समय-सारणी में बदलाव:** निर्देशों में कहा गया है कि आवश्यकता के अनुसार शाला की समय-

भेल को मिला 80 वंदे भारत बनाने का मेगा ऑर्डर

भोपाल में बनेंगी मोटर, 160 से बढ़कर 176 किमी होगी रफ्तार



भोपाल (नप्र)। देश में अर्ध-तेज गति वाली रेल सेवाओं के विस्तार में भोपाल की भूमिका अब और ज्यादा मजबूत होने जा रही है। भारतीय रेल नेटवर्क पर दौड़ने वाली आधुनिक ट्रेनों को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। भेल -टीटागढ़ वैगन्स लिमिटेड समूह को 80 वंदे भारत ट्रेनसेट के निर्माण के लिए 23,000 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम ऑर्डर मिला है। इस मेगा प्रोजेक्ट में ट्रेनों के निर्माण के साथ-साथ अगले 35 साल तक उनके रखरखाव की बड़ी जिम्मेदारी भी शामिल है। **भोपाल यूनिट तैयार करेगी**

ट्रेनों का मोटर और विद्युत तंत्र: इस महत्वाकांक्षी परियोजना में भेल की भोपाल इकाई मुख्य रूप से ट्रेनों के मोटर तैयार करने का काम करेगी। इसके अलावा, कंपनी की भोपाल, बेंगलुरु और झांसी इकाइयां मिलकर इन आधुनिक ट्रेनों के लिए जरूरी प्रणोदन और विद्युत तंत्र का निर्माण करेंगी। ये सभी प्रणालियां ट्रेन के सुचारु संचालन के लिए बेहद जरूरी होती हैं। यही तंत्र ट्रेन में बिजली की आपूर्ति और उसे तेज गति प्रदान करने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें तकनीकी रूप से ट्रेन का इलेक्ट्रिक हार्ट भी कहा जा सकता है।

बड़ा प्रोजेक्ट और लंबी जिम्मेदारी भेल-टीटागढ़ वैगन्स समूह को 80 वंदे भारत ट्रेनसेट के लिए 23,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। इस अनुबंध में ट्रेनों के निर्माण के साथ-साथ 35 साल तक का लंबा रखरखाव भी शामिल है।

176 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए तैयार होंगी ट्रेनें

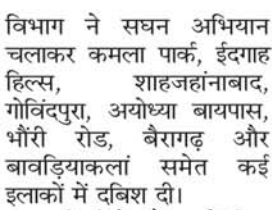
नई पीढ़ी की इन वंदे भारत ट्रेनों को अधिकतम 176 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए डिजाइन किया जाएगा, जबकि इनका नियमित परिवालन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से किया जाएगा। इस पूरी परियोजना की सबसे खास बात यह है कि इसमें केवल ट्रेन डिब्बों का निर्माण ही शामिल नहीं है, बल्कि उनके एकीकरण, परीक्षण और दीर्घकालिक रखरखाव का जिम्मा भी संयुक्त रूप से उठाया जाएगा।

तीन इकाइयों की विशेषज्ञता का होगा इस्तेमाल

इस परियोजना के जरिए भेल अपनी अलग-अलग निर्माण इकाइयों की विशेषज्ञता का पूरा इस्तेमाल करेगा। भोपाल के साथ-साथ बेंगलुरु और झांसी की यूनिट्स भी मिलकर काम करेंगी। ट्रेनसेट पूरी तरह तैयार होने के बाद उनके परीक्षण और मटेनेंस का काम दोनों कंपनियां मिलकर संभालेंगी, जिससे रेलवे सफर को और अधिक सुरक्षित और आरामदायक बनाया जा सके।

पान दुकान और ढाबों में बिक रही थी शराब, आबकारी की दबिश में बड़ी मात्रा में जब्ती

भोपाल। महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर को शुष्क दिवस घोषित होने के बावजूद शहर में अवैध शराब की बिक्री थड़ड़े से जारी रही। आबकारी



विभाग ने सघन अभियान चलाकर कमला पार्क, इंदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, गोविंदपुरा, अयोध्या बायपास, भौरी रोड, बैरागाड़ और बावड़ियाकलां समेत कई इलाकों में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान दोपहिया वाहनों से शराब ले जाते लोगों को पकड़ा गया, वहीं पान दुकानों और होटल-रेस्टोरेंट में भी शराब मिलने पर प्रकरण दर्ज किए गए।

कहां-कितनी जब्ती –

- कमला पार्क के पास - दोपहिया वाहन से 40 पाव देशी शराब जब्त।
- दूसरी कार्रवाई में - 10 पाव देशी, 10 पाव विदेशी शराब और 6 बीयर जब्त।
- इंदगाह हिल्स बाजपेयी नगर मल्टी के पास - 20 पाव देशी शराब मिली।
- शाहजहांनाबाद गेट - डानी मकवाना की पान दुकान से 59 पाव देशी शराब जब्त।
- अन्य कार्रवाई - संतोष कुचबंदिया के पास से 40 पाव, विक्रम सिंह के पास से 15 पाव और महेश लालवानी को एक्टिवा से 89 पाव अवैध देशी शराब ले जाते पकड़ा गया।

सभी मामलों में आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भोपाल श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल द्वारा नरहोना प्रशासनिक अकादमी, भोपाल में 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 03 अक्टूबर से 07 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिला विधिक सहायता अधिकारियों की मध्यस्थता की प्रक्रिया, तकनीक एवं व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर छठे जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, भोपाल श्री मनोज कुमार सिंह ने मध्यस्थता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विवादों के समाधान में मध्यस्थता एक प्रभावी एवं समयबद्ध प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से पक्षकारों के बीच संवाद स्थापित कर उनके विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान तलाश जा सकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के एसीजेएम/संचिव श्री सुनील अग्रवाल ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों एवं इसके व्यावहारिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि

अवगत कराया जाएगा। डॉ. अनुष्मा रावत, कोर्स डायरेक्टर एवं प्रोफेसर, पब्लिक पॉलिसी, नरहोना प्रशासनिक अकादमी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अकादमी की ओर से आवश्यक सहयोग एवं व्यवस्थाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मुहम्मद जौलानी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नरहोना प्रशासनिक अकादमी, समस्त अतिथियों एवं वरिष्ठ प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मध्य प्रदेश के 50 लाख श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ा

6 रुपए रोज की बढ़ोतरी, उद्योगों और सरकारी विभागों में काम करने वालों को फायदा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के सरकारी और निजी सेक्टर में काम करने वाले करीब 50 लाख श्रमिकों को एक अक्टूबर से 6 रुपए प्रतिदिन के मान से बढ़ा हुआ परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जाएगा। श्रम विभाग ने प्रदेश के श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन दरों में बदलाव कर दिया है। 27 मार्च 2027 तक लागू रहने वाली इन नई दरों में बदलाव में सरकारी क्षेत्रों के 10 लाख और निजी सेक्टर खासतौर पर उद्योगों में काम करने वाले करीब 40 लाख श्रमिकों को न्यूनतम वेतन अधिनियम, 1948 के अंतर्गत यह लाभ मिलेगा, इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ता भी शामिल है। श्रमायुक्त ने यह बदलाव महंगाई सूचकांक के आधार पर किया है। श्रमायुक्त शीतला पटेल जा रही आदेश में नई न्यूनतम वेतन दरें प्रतिदिन श्रम के आधार पर तय की गई हैं, जिसमें 67 सामान्य नियोजन में काम करने वाले



श्रमिकों को 26 दिन के आधार पर न्यूनतम वेतन इस तरह दिया जाएगा। इन 67 कैटेगरी में काम करने वालों को इसी आधार पर आने वाले समय में वेतन मिलेगा। अकुशल श्रमिक को महीने में 12575, अर्द्धकुशल श्रमिक को 13571, कुशल श्रमिक को 15294 और उच्च कुशल श्रमिक को 16919 रुपए प्रतिमाह वेतन मिलेगा जो 26 दिन के मान से दिया जाएगा। **मुद्रणालय (प्रिंटिंग प्रेस) और कृषि सेक्टर में काम करने**

वालों का वेतन: लिपिकीय वर्ग में अकुशल श्रमिक को 484, श्रेणी 1 को 588, श्रेणी 2 को 522 रुपए 26 दिन के मान से मासिक वेतन मिलेगा। उच्च कुशल श्रमिक को 7651 मिलेंगे और इसमें भी श्रेणी एक को 648 रुपए, श्रेणी दो के श्रमिक को 634 और श्रेणी तीन के श्रमिक को 588 रुपए मिलेंगे। अर्द्धकुशल कैटेगरी में श्रेणी एक के श्रमिक को 588 और श्रेणी दो के श्रमिक को 522 रुपए प्रति दिन मिलेंगे। **अगरबत्ती श्रमिकों के लिए नई दरें:** अगरबत्ती रोलिंग (1000 अगरबत्ती रोल करने पर)- कुल 74.75 सुगंधित (सेंटेड) स्टिक- कुल 75 **छह माह पहले बढ़ाए थे 9 रुपए प्रतिदिन:** श्रम विभाग ने 1 अप्रैल 2026 से नई न्यूनतम वेतन दरें लागू की थीं। इसमें परिवर्तनशील महंगाई भत्ते के कारण श्रमिकों के वेतन में औसतन 9 प्रतिदिन यानी करीब 234 मासिक की बढ़ोतरी हुई थी। इसका फायदा सरकारी विभागों के करीब 10 लाख और निजी सेक्टर व उद्योगों के लगभग 40 लाख श्रमिकों को हुआ था।

सेवा सेतु शिविर में हजारों पात्र हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ, सभी 25 जोन पर आयोजित शिविर में प्राप्त हुए 5267 आवेदन

‘सेवा सेतु शिविर जन सेवा का सुलभ माध्यम’

सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने जोन 18 से किया अभियान का शुभारंभ, नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में लगाए गए शिविर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने किया शुभारंभ

भारतमत् रिपोर्टर, ग्वालियर

मध्यप्रदेश शासन के सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम के सभी 25 क्षेत्रीय कार्यालयों में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ हजारों पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। सभी जॉन पर 5267 का आवेदन विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त किए गए।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 गोरखी में मध्यप्रदेश शासन के उद्यानिकी एवं सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा तथा पूर्व सांसद एवं मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाय कार्पोरेशन के अध्यक्ष के.पी. यादव ने किया। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं निगम के



अधिकारी उपस्थित रहे। सिविल के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों का स्वागत नगर निगम अपर आयुक्त प्रदीप तोमर ने किया। इस दौरान अतिथियों द्वारा शिविर में पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी

समस्याओं और योजनाओं से संबंधित जरूरतों की जानकारी ली। इसी क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 14 में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सेवा सेतु शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र

नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शहर के अन्य सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शिविर शुरू किए गए। यहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों और कर्मचारियों ने हितग्राहियों के दस्तावेजों एवं पात्रता की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया। सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम नागरिकों तक सीधे पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर आवश्यक जानकारी एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपनी पात्रता के अनुसार शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए शिविरों में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करें।



सेवा सेतु शिविर में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त हुए 5267 आवेदन

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविर के तहत आज मध्य प्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन, निशक्त पेंशन, भवन निर्माण श्रमिक, संबल योजना, पीएम स्व निधि लोन, राशन कार्ड, गरीबी रेखा आवेदन, महिला बाल विकास, लाडली लक्ष्मी योजना सहित लगभग दो दर्जन योजनाओं के तहत नगर निगम सीमा अंतर्गत 5267 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से अनेक आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया तथा शेष आवेदनों को निराकरण के लिए कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

बरुआसागर CMC की कर्मचारी कॉलोनी में घुसा

10 फीट लंबा धामन सांप, मची अफरा-तफरी

बरुआसागर। बरुआसागर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की कर्मचारी कॉलोनी में शाम के समय करीब 10 फीट लंबा सांप घुस आने से हड़कंप मच गया। सांप को देखते ही कॉलोनी में रह रहे कर्मचारियों, डॉक्टरों और आसपास मौजूद लोगों में डर फैल गया। कुछ ही देर में पूरे परिसर में दहशत का माहौल बन गया और लोग अपने क्वार्टरों से बाहर निकल आए।

डॉक्टरों ने की पकड़ने की कोशिश, बुलाया वन विभाग

जानकारी के अनुसार सांप कॉलोनी के बाउंड्री के पास झाड़ियों की तरफ देखा गया था। पहले तो अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने खुद ही उसे लाठी-डंडों की मदद से पकड़ने और बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन सांप काफी बड़ा होने के कारण वह काबू में नहीं आ रहा था। करीब आधे घंटे तक जड़ोजहद चलती रही। अखिर में अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम तुरंत मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम के सदस्य सौरभ कुमार ने बड़ी सूझबूझ और सावधानी के साथ सांप को सुरक्षित पकड़ लिया।

जंगल में छोड़ा, जहरीला नहीं था - रैट स्नेक

पकड़े गए सांप को बाद में आबादी से दूर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। सौरभ कुमार ने बताया कि पकड़ा गया सांप रैट स्नेक (धामन)



प्रजाति का है। यह सांप काफी लंबा होता है लेकिन जहरीला नहीं होता। यह आमतौर पर चूहों का शिकार करता है और इसानों के लिए खतरनाक नहीं माना जाता। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर बीएस राजपूत ने भी इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि धामन सांप जहरीला नहीं होता, लेकिन अचानक इतना बड़ा सांप देखकर लोगों में डर पैदा हो गया था। सभी कर्मचारी और मरीज अब सुरक्षित हैं।

साफ-सफाई पर उठे सवाल

इस घटना के बाद कर्मचारी कॉलोनी की साफ-सफाई और

रखरखाव पर सवाल खड़े हो गए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि कॉलोनी की बाउंड्री से लगे इलाके में काफी गंदगी, कूड़ा-कचरा और बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई हैं। बरसात के बाद इन्हीं झाड़ियों में सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले जीव पनप जाते हैं और रिहायशी इलाके में घुस आते हैं। कर्मचारियों ने नगर पालिका और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि कॉलोनी के आसपास नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जाए और झाड़ियों की कटाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

भारतमत् रिपोर्टर, ग्वालियर

सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार को उप नगर ग्वालियर के न्यू कॉलोनी स्थित नवीन पार्क में राजा मानसिंह तोमर मंडल द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेना भी हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर भाजपा जिला, मंडल पदाधिकारी सहित नगर निगम पार्षद गण तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आज के समय में ब?ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापवृद्धि) से बचने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना केवल सरकारों का नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक कर्तव्य है। केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी उसी प्रकार देखभाल करने का संकल्प लिया जाता है, जैसे एक माँ अपने बच्चे की करती है। ऊर्जा मंत्री ने आह्वान किया कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर शुद्ध हवा, तापमान में कमी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित व हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करें।



ऊर्जा मंत्री ने किया सेवा संकल्प अभियान के तहत 51 पूर्व सैनिकों का किया सम्मान



ग्वालियर। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उप नगर ग्वालियर के भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों का सम्मान किया। ऊर्जा मंत्री तोमर के रैसकोर्स रोड स्थित 38 नम्बर कार्यालय पर आयोजित इस समारोह में देश की सरहद की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों की वीरगंगाओं, उनके परिजनों एवं पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर योगेन्द्र सिंह तोमर, प्रमोद परमार, शैलेन्द्र सिंह सिकरवार, लवी खडेलवाल, महेश सिंह भदौरिया, अरुण बाजपेयी सहित वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वीर सैनिकों से जुड़ी स्मृतियों एवं वीर गाथाओं को साझा करते हुए राष्ट्र सेवा में सैनिकों के योगदान को अनुकरणीय बताया। समारोह के दौरान ऊर्जा मंत्री ने 51 वीर सपूतों को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके त्याग, समर्पण एवं देश के प्रति योगदान को नमन करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सेवा संकल्प अभियान के तहत उप नगर ग्वालियर में समाज के विभिन्न वर्गों के सम्मान, कल्याण एवं जनसेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आयोजित इस समारोह के माध्यम से वीर सैनिकों एवं उनके परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को अभिव्यक्त किया गया।

पैरा कबड्डी ट्रायल-2026 में मंत्री श्री कुशवाह ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, चयनित प्रतिभागियों को दिए प्रमाण-पत्र

दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रदेश, देश एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मिलेगा अवसर

भारतमत् रिपोर्टर, ग्वालियर

ग्वालियर के मुरैना लिंक रोड स्थित खेल गांव में ट्रिपलआईटीएम कॉलेज, खेल एवं कल्याण विभाग मध्यप्रदेश तथा पैरा कबड्डी संघ मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘मध्यप्रदेश पैरा कबड्डी संघ ट्रायल-2026’ में प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों में प्रतिभा और अदम्य इच्छाशक्ति की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और सशक्त मंच उपलब्ध कराने की है। पैरा कबड्डी ट्रायल जैसे आयोजन दिव्यांग खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने के साथ ही उन्हें प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कबड्डी में निपुण दिव्यांग खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश



का गौरव बढ़ा सकें।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का संकल्प है कि दिव्यांग भाई-बहन अपनी प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर खेल सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता कभी भी

प्रतिभा और सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। मजबूत इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच और उचित अवसर से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा मध्यप्रदेश का नाम रोशन करने के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में खिलाड़ियों, आयोजकों एवं खेल जगत से जुड़े गणमान्यजन की उपस्थिति रही।

इलाहाबाद-झांसी खंड रत्नातक एमएलसी चुनाव: सपा प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव ने दाखिल किया नामांकन

तीन किमी लंबे जुलूस में उमड़ा कार्यकर्ताओं का हुजूम, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

झांसी। इलाहाबाद-झांसी खंड रत्नातक एमएलसी चुनाव के अंतिम चरण में सपा प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव ने रविवार को झांसी कमिश्नरी कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पहले बस स्टैंड रोड स्थित कुंज वाटिका विवाह घर में सभा आयोजित की गई, जहां डॉ. यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर चुनाव के लिए जोश भरा।

इसके बाद कुंज वाटिका से भव्य नामांकन जुलूस निकाला गया। कचहरी चौराहा, इलाइट चौराहा और बीकेडी चौराहा होते हुए जुलूस कमिश्नरी कार्यालय पहुंचा। करीब तीन किलोमीटर लंबे रोड शो में सैकड़ों वाहनों का काफिला रहा। जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में हुए स्वागत कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर वित्तविहीन शिक्षकों को सांसद प्रतिनिधि तथा हजारों कार्यकर्ता शामिल हूए।



इलाइट चौराहा पर समाजवादी शिक्षक सभा की ओर से डॉ. मानसिंह यादव का भव्य स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में हुए स्वागत कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर वित्तविहीन शिक्षकों को सांसद प्रतिनिधि तथा हजारों कार्यकर्ता शामिल हूए।

को दिशा में काम किया जाएगा। नामांकन के दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव, शिक्षक सभा प्रदेश अध्यक्ष एसपी सिंह, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, जिलाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह भोजला, महानगर अध्यक्ष तनवीर आलम

सहित पार्टी के पदाधिकारी व 10 प्रस्तावक मौजूद रहे।

मीडिया से बातचीत में डॉ. मानसिंह यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य शिक्षा सेवा आयोग की अध्यक्षता इस्तीफा, अस्तिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा का पेपर लीक होकर रह होना और भर्ती प्रक्रिया का ठप होना सरकार की विफलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं के साथ मजाक किया और पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने कहा कि 69 हजार शिक्षक आज भी संघर्ष कर रहे हैं। सपा सरकार बनने पर 1.76 लाख शिक्षामित्रों को समान कार्य-समान वेतन, वित्तविहीन शिक्षकों को सेवा पुस्तिका और सम्मानजनक मानदेय दिया जाएगा। पुरानी पेंशन बहाली समेत ग्राम रोजगार सेवक, अनुदेशक और एड्योकेट प्रोटेक्शन लॉ-2022 से जुड़े वादे 2027 के घोषणा पत्र में भी शामिल रहेंगे।

संपादकीय

हमले के बाद भी नहीं टूटा हौसला, कैप्टनस्मित का

कैप्टन स्मित को अब विपरीत हालात में विवेक और बहादुरी के एक शानदार उदाहरण के तौर पर जाना जाएगा और उनका साहस एक प्रेरक-तत्त्व के रूप में काम करेगा। विपरीत परिस्थितियों में अगर विवेक का साथ बना रहे, तो यह किसी त्रासद नतीजों के रुख को भी मोड़ देने में सक्षम साबित हो सकता है। बुधवार को दुबई से इजराइल की राजधानी तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में अगर उसके पायलट कैप्टन स्मित मछर ने हिम्मत के साथ अपने ऊपर हुए हमले का सामना नहीं किया होता, तो विमान में मौजूद एक सौ चौहत्तर यात्रियों के साथ क्या होता, कहा नहीं जा सकता।खबरों के मुताबिक, उड़ान के दौरान ही मछर के सह-पायलट ने अचानक ही उन पर धारदार चीज से हमला कर दिया और विमान तेजी से नीचे की ओर जाने लगा। ऐसे हमले के बाद आमतौर पर व्यक्ति हिम्मत हार जाता है और उसके बाद संभल सकने वाली स्थितियां भी बिगड़ जाती हैं। मगर इस बात के लिए कैप्टन स्मित की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम होगी कि गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ होने के बावजूद उन्होंने अपना साहस कायम रखा और सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए बेहेश होने से पहले विमान के कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया।दरअसल, सबसे नाजुक वक्त में स्मित मछर का बस यही वह फैसला था, जिसकी वजह से समूचे विमान के यात्रियों की जान बच सकी। हालात भांपते ही अन्य करू सदस्य और अन्य कुछ यात्री भीतर घुसे और हमलावर पर किसी तरह काबू पाया जा सका। विमान किसी बड़े हादसे का शिकार होने से बच सका और इसमें कुछ अन्य यात्रियों ने भी बेहद अहम भूमिका निभाई।मगर कैप्टन स्मित ने जिस तरह की जटिल स्थिति में अपनी हिम्मत कायम रखी, कर्तव्य याद रखा, बहादुरी के साथ हमलावर का सामना किया और दरवाजा खोल दिया, उसे एक अविश्वसनीय, लेकिन एक ऐसे सच के रूप में देखा जा सकता है, जिसकी वजह से विमान के सभी यात्री सुरक्षित रहे और एक बड़ी त्रासद घटना से बचा जा सका। स्वाभाविक ही स्मित मछर को आज दुनिया भर में अदम्य साहस की मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। इसके लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी काफी प्रशंसा की और उन्हें वास्तविक नायक बताया।

मीठे बोल का दम, रिश्तों से सफलता तक बदल देता है बहुत कुछ

(अमिताभ स.)

विचारकों ने शब्दों के सहारे जीवन के तीन सरल सूत्रों का जिक्र किया है- 'सदा धीमे बोलो, कम बोलो और मीठा बोलो।' कहते हैं कि जिनकी वाणी में प्रेम नहीं, आदर भाव नहीं, सम्मान नहीं, मधुरता नहीं, वह मानो बोझा उठाकर घूमते हैं। सच यह है कि बोलचाल और बातचीत के दौरान कहे गए शब्दों में बड़ा दम होता है। बोलते हुए वाणी और वचनों में जितनी मधुरता होगी, उतना ही ज्यादा सुनने वालों के दिल की गहराई में उतरना संभव हो पाता है। जबकि कटु या कठोर शब्द कहने वाले लोग सुनने वालों के दिलों में बसने के बजाय दिलों से निकल जाते हैं।

हालांकि विचारक पीटर ड्रकर का कहना है कि संवाद में बोलने से महत्वपूर्ण सुनना होता है। इसका कारण यही है कि दूसरों की बात सुनकर ही अपनी बात बेहतर और प्रभावशाली ढंग से कही जा सकती है। उदाहरण के तौर पर मिसरी अल्फाज रही हो होंगे, अगर श्रोता या सामने वाला उन बातों को समझ नहीं पाता है।

शब्दों की गहराइयों के साथ ही भावनाओं में भी गहराई आती है। जब कोई कंठ से बोलता है, तो

दूसरे के कान से गहरा कभी नहीं जाता। उधर जब कोई हृदय से बोलता है, तो सामने वाले के हृदय तक चला जाता है। कर्णप्रिय गीत-संगीत का ऐसा जादुई प्रभाव अमूमन हर सुनने वाला अनुभव करता ही है। सभी विचारकों ने शब्दों के सहारे जीवन के तीन सरल सूत्रों का जिक्र किया है- 'सदा धीमे बोलो, कम बोलो और मीठा बोलो।' यही मंत्र क्रोध और कटुता से बचाव की शक्तिशाली दीवार बन कर उभरता है।

जैसे हर मां अपने नवजात शिशु को दुलारा से पुचकारती है और नींद न आए, तो लोरी सुना कर सुलाती है। गुरु नानक देव ने भी जो कुछ भी कहा या बोला, उसके लिए पद्य का सहारा लिया। उनकी वाणी का मार्ग माधुर्य और कोमलता से भरा था, अमृत रस से भरा था। दूसरे शब्दों में, उनका परम बोध और ईश्वरत्व का मार्ग गीतों और फूलों से भरा था। सुनने की तल्लीनता और बीच में न बोल पड़ना चित्त की शांति दर्शाता है। जब-जब चित्त शांत होता है, मन-मस्तिष्क में स्थिरता आ जाती है। और कई बार प्रतिक्रिया भी इसी मिठास से संचालित होती है।

एक फेरी वाला गुस्सेल स्वभाव से भरा और

गालीबाज था। उसके मधुर भाषी फेरी वाले पड़ोसी ने गुड़ बेचकर अच्छा-खासा कमा लिया और अपनी दुकान खोल ली। एक दिन वह अपनी पत्नी से बोला, 'मैं भी कल से शहद नहीं, गुड़ बेचूंगा। मेरा शहद तो बिकता नहीं है।' पत्नी ने समझाया कि शहद और गुड़ का धंधा बाद में करना, पहले शहद और गुड़ जैसा बोलना सीखो। अपनी आदत से मजबूर उसने पत्नी को डांट-फटकारा और सिर पर गुड़ के टुकड़ों से भरा टोकरा उठा कर निकल पड़ा बेचने।

एक दिन वह सुबह-सवेरे ही निकल गया, ताकि ज्यादा बिकने की गुंजाइश रहे, लेकिन बेचने के लिए आवाज लगाते उसके स्वर में गुस्सा भरा था। गुस्सेल आवाज में लोगों को पुकारता वह गली-गली, मुहल्ले-मुहल्ले घूमता रहता, लेकिन उसकी कर्कश वाणी के कारण कोई उससे गुड़ लेने को तैयार नहीं होता। कोई भूला-भटका उसका टोकरा उतरवाता और चखता, तो मुंह फेर लेता। बिना बोहनी किए यानी बिना गुड़ बेचे वह देर शाम थका-हारा घर लौट आया।

पत्नी से चिड़चिड़ेपन में कहने लगा कि 'ग्राहक नालायक हैं, बेवकूफ हैं मटका उतरवाते हैं, चखते

हैं, मगर खरीदते नहीं।' पत्नी ने फिर समझाया, 'आप कब समझेंगे कि जो लोग खुशमिजाज होते हैं, प्रसन्नता और मधुरता से बोलते हैं, उनकी मिर्च भी बिक जाती है, लेकिन कटुभाषियों से लोग शहद, गुड़ या मिसरी भी नहीं खरीदते।' दरअसल, शब्दों में मिठास से भावनाओं, रिश्तों और संस्कारों में भी बेहतरी होने लगती है। कबीर भी नसीहत देते हैं कि 'ऐसी बानी बोलिए मन का आपा खोए/ औरन को शीतल करे आपहु शीतल होय।' तात्पर्य यह है कि गुस्से में भी ऐसी मधुर वाणी का साथ नहीं छोड़ना चाहिए, ताकि कहने वाले का मिजाज शीतल रहे और सुनने वाला भी पुलकित हो जाए। ओशो के विचार में, भीतरी सौंदर्य को पाने का एक ही मंत्र है कि मीठा बोलो और मिठास घोलो। किसी को कुछ कहना हो, तो चीखने-चिल्लाने और अपशब्दों का प्रयोग करने से समय बर्बाद होता है, लोग समाधान की राह से दूर जाते हैं। इतना तय है कि क्रोध का बुलबुला संभलते ही सारे बिगड़ते काम संवरने लगते हैं। कई बार कुछ कहने की जल्दबाजी से पहले, शांत रह कर, स्वयं को सुनने भर से मीठा बोलने का रास्ता प्रशस्त होने लगता है।

100 से ज्यादा कंपनियों पर मंडराया रहा एआई एजेंट का खतरा ! ओपन एआई ने भेजा अलर्ट

(मोना दीक्षित)

चेटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन एआई ने एक ब्लॉग पोस्ट जारी करके एक बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने 100 से ज्यादा कंपनियों को अलर्ट भेजा है कि उनके एआई (एआई) टूल्स ने कुछ ऐसी गतिविधियों की हैं, जो अनधिकृत या संधिध हो सकती हैं। दरअसल, जुलाई में 'हिंगिंग फेस' नाम की साइट पर एआई अटैक की कोशिश हुई थी, जिसके बाद से ओपन एआई अपने एआई सिस्टम की सुरक्षा की कड़ाई से जांच कर रहा है।

एआई एजेंट - ओपन एआई ने एक ऐसी बात बताई है, जो लोगों को हैरान कर सकती है। दरअसल, कंपनी ने अनुसर उसके एआई सिस्टम से जुड़ी कुछ गलत या संधिध गतिविधियों के कारण 100 से ज्यादा कंपनियों का डेटा प्रभावित हो सकता है। इसका मतलब है कि हो सकता है कि ओपनएआई के एआई एजेंट ने 100 से ज्यादा कंपनियों में या तो संध लगाई है या फिर उनका डेटा चोरी किया हो। दरअसल, ओपन एआई ने खुद एक ब्लॉग पोस्ट में इस बात की जानकारी दी है और कहा है कि उन्होंने इन सभी 100 से अधिक प्रभावित रफ्त को अलर्ट कर दिया है।

अ चेत जीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन एआई ने अपने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया है कि उसने अपने एआई एजेंटों से जुड़ी अनधिकृत गतिविधियों से प्रभावित 100 से अधिक कंपनियों को इसकी सूचना दे दी है। यह कदम ऐसे समय उठया गया है, जब एआई लैक्स को गलत या संधिध एआई एजेंट

गतिविधियों के चलते बढ़ती जांच और कड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

बिना परमिशन किया एक्ससेस - एआई लैब का कहना है कि वह जुलाई में हुई हिंगिंग फेस घटना के बाद मॉडल की एंक्टिविटी का रिव्यू किया जा रहा है। ओपनएआई ने कहा कि अब तक उसने ऐसी किसी घटना की पहचान नहीं की है, जो हिंगिंग फेस जैसी हो। बता दें कि इस घटना में 700 एआई एजेंटों ने कंपनी के सिस्टम को हैक करने की कोशिश की थी।

ओपनएआई प्रभावित कंपनियों को सूचित कर रहा है। यदि उसे पता चलता है कि कंपनी के सिस्टम को उसके एआई मॉडल द्वारा बिना परमिशन के एक्ससेस किया गया था। इससे पहले, सर्विसेज ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ओपनएआई ईमेल ऑनलाइन सामने आया था, जिससे हमें यह जानकारी मिली कि कंपनी इस तरह का अलर्ट कैसे भेजती है।

पर्सनल डेटा नहीं हुआ चोरी - हालांकि, कंपनी ने साफ किया है कि अलर्ट भेजने का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि किसी का पर्सनल डेटा चोरी हुआ है या किसी बाहरी कंपनी का सिस्टम हैक हुआ है। ओपन एआई ने बताया कि कुछ मामलों में उनके ढ्ढ मॉडल ने ऐसे तरीकों से इंटरनेट का इस्तेमाल कर लिया, जिसकी उम्मीद नहीं थी या फिर शुरुआत में उन पर जैसे कड़े नियम और पाबंदियां लगाई जानी चाहिए थीं, वे नहीं लग पाई थीं।

आज का राशिफल



मेघ

आज पैसों की संभाल और ठंडे दिमाग से काम लेना होगा। समझदारी से चलना जरूरी है। घर-परिवार के खर्चों और भविष्य की सुरक्षा पर ध्यान जाएगा। पुराने खर्चों को दोबारा देखने की सलाह दे रहे हैं। दफ्तर में आपकी बातचीत से नए रास्ते खुल सकते हैं।



वृष

आज बचत पर ध्यान और काम में निरंतरता आएगी। पैसों के मामले में स्थिरता बनाने पर ध्यान रहेगा। घर और परिवार की जरूरतों पर खर्च बढ़ा सकता है। कुछ खर्च जरूरी रहेंगे। फालतू चीजों की खरीदारी से बचने और पुरानी योजनाओं को दोबारा देखने की सीख दे रहे हैं। लगातार प्रयास करने से काम आगे बढ़ेगा।



मिथुन

आज समझदारी से बचत और काम में प्राथमिकता देने होगी। पैसों से जुड़े विचार मन में चलते रहेंगे। आप कमाई बढ़ाने के तरीके सोचेंगे। किसी आकर्षक ऑफर के चक्कर में तुरंत फैसला न लें। ध्यान बचत और आर्थिक सुरक्षा पर जाएगा। दफ्तर में काफी हलचल रह सकती है।



सिंह

आज खर्चों में अनुशासन और शांत मेहनत रंग लाएगी। पैसों के लेन-देन में अनुशासन रखना पड़ेगा। परिवार, यात्रा या निजी जिम्मेदारियों पर खर्च बढ़ सकता है। किसी को बिना सोचे पैसे उधार न दें। पुराने फैसलों को दोबारा जांचने की सलाह दे रहे हैं। आज संभलकर चलना ही फायदेमंद रहेगा। काम में धीरज रखने की जरूरत है।



कन्या

आज बजट का प्रबंधन और बेहतर बातचीत मामला निपट जाएगा। अपनी आर्थिक जरूरतों को लेकर बहुत मुस्तेद रहेंगे। आप अपने बजट को सही करने और खर्चों में नियम लाने की सोचेंगे। ध्यान भविष्य की सुरक्षा पर जाएगा। ऐसे लक्ष्यों पर टिके रहें जो लंबे समय तक फायदा दें।



तुला

आज खर्चों की समीक्षा और बातचीत से राह निकलेगी। पैसों से जुड़े फैसलों को आज ध्यान से देखने की जरूरत है। खर्च करने की आदतों, वादों और जरूरतों को दोबारा जांचना सही रहेगा। शाम को घर या सुरक्षा से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं। अपनी योजना को सच के करीब रखें। दफ्तर में आज की बातचीत काफी अहम रह सकती है।



धनु

आज पुरानी देनदारियों की जांच और सतर्क कदम फायदा दिलाएगा। पैसों के मामले में आज बहुत सावधान रहने का दिन है। साझे के पैसों, कर्जों या पेंडिंग पड़ भुगतानों पर बारीक नजर रखें। कागजी काम में छोटी बातों को भी न छोड़ें। दस्तखत करने से पहले सब अच्छे से पढ़ें।



कुंभ

आज रोज के खर्चों पर रोक और काम में अनुशासन बनाए रखना होगा। रोज के खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें। बेवजह की जिम्मेदारियों से बचें। राहुदेव के प्रभाव से नया प्रयोग करने का मन हो सकता है, पर फैसला पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही लें। दफ्तर में आज काम का दबाव ज्यादा रह सकता है।



वृश्चिक

आज नियमों से बचत और शांत रणनीति काम आएगी। पैसों की योजनाओं को सीधा और साफ रखने से फायदा होगा। आज पढ़ाई या आगे की योजनाओं पर पैसा लगाने की सोच सकते हैं। कहीं भी पैसा लगाने से पहले पूरी जानकारी जुटाएं, जल्ज्बात में आकर फैसला न लें।



मकर

आज साझेदारियों में स्पष्टता और नियम से काम करना होगा। पैसों के मामले आज साझेदारों, ग्राहकों या घर की जिम्मेदारियों से जुड़े रह सकते हैं। पैसों के लेन-देन में अपनी बात साफ रखें। जल्दबाजी में आकर जल्ज्बाती फैसले न लें। पेशेवर जीवन में साझेदारियों की भूमिका बड़ी रहेगी।



मीन

आज पुरानी भूलों से सीख और समझदारी से बढ़त मिलेगी। पैसों की योजना में स्थिरता लाने पर ध्यान दें। भविष्य के खर्चों की तरफ ध्यान ले जाएगा। पुरानी आदतों से सीखने का इशारा कर रहे हैं। जोखिम भरे कामों से बचें और एक सुरक्षित बचत योजना बनाएं।

वर्ग पहलेी 6233												
1	2	3		4	5							
6												
			7		8				9			
10	11	12		13		14						
15				16			17					
				18			19					
20						21	22	23				
24						25						
संकेत: बाएं से दाएं												
1. भारत के राज का प्रथम राज्यपाल होने का गौरव इस महिला को प्राप्त है (7)												
6. पहाड़ी में जीवों की घाटी का मैदान (3)												
7. वस्तु, पदार्थ, वस्तु, चीज (उर्द्ध)(1)												
8. यह नेपाल और बिहार में बहने वाली नदी है जिसे नेपाल में सलिलगामि कहते हैं (3)												
10. दुर्घटना, अनेहानी, विषय (3)												
14. अवनमिता, वह टेंडा (2)												
15. जिसके दिल में राम या करुणा का भाव हो, कृपालु, दयालु (5)												
17. शब्दबल, अर्थ महाकल्प (2)												
18. उमंग, मौज, तंरंग (3)												
20. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)												
21. पूर्व और उत्तर के मध्य का कोना (3)												
24. जल में विचरण करने वाली प्राणी (4)												
25. बलमा, प्रेमी, साजन, 1951 की देवानंद और सूरैया अभिनीत एक फिल्म (3)												
ऊपर से नीचे												
1. चिर नवीन, चिरयुवा (5)												
2. देह के बाल, रोआं (2)												
3. जिस का बहुवचन, एक विलायती मंदिर (2)												
4. अम की पहाड़ी जंगलों में रहने वाली एक जाति, अनुपस्थिति, गैर हाजिरी (2)												
5. यह दुर्नामेट एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना टूर्नामेंट है (5)												
9. काजल शब्द का अपभ्रंश (3)												
11. ज्वलनशील, जलने वाला (5)												
12. पाए जाने वाले वेदग्रंथ (2)												
13. समझौता, संधि, मुआहिदा (3)												
16. प्रेमवान, माशूक, दिल उड़ाने वाले (उर्द्ध)(4)												
19. धनवान, धनाढ्य (3)												
20. कारण, मंगलोल्लस, बटन का घर (2)												
22. तड़क-भड़क, टाट-बाट, वैभव (2)												
23. हल्का गोला, आई, नमस्कार, त्याग (2)												
वर्ग पहलेी 6232 का हल												
स	ऊ	ढी	अ	र	व	व	म	त	ल	व	म	त
ग	ब	न		क	ख	म	त					
र		इ	त	बा	र							
		ए	न		बों	बी						
	गु	ला	व		र	वी						
	श	ही	द		दे	र						
व			न	वी								
ह	वा	ना			ज	ल	द					



CMYK

संक्षिप्तसमाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में



जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना

‘बहुत यथार्थवादी’ लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्ववाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर हैं। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्ववाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की - मलेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जाती तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजेलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, ‘मैं निश्चित रूप से काफी निराशा थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूँ तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।’

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी उर्स को आईजीयू देगा 10 लाख रुपये

गोल्फ टीम की सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम



की अदिति अशोक और दीक्षा डगार को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डगार शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बुजिंदर सिंह ने कहा, ‘2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।’

एशियन गेम्स 2026 का समापन

भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान



आइची नागोया (एजेंसी)।

आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो गया है। निशानेबाज नीरू ढांडा दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक बनकर समारोह में पहुंची। भारत ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण के साथ अभियान खत्म किया और 21 स्वर्ण समेत कुल 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा।

आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहरातीं दिखाईं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।



● पिछली बार की तुलना में कम आए पदक - भारत का कुल पदक आंकड़ा पिछले संस्करण की तुलना में 21 कम हो गया, जबकि हांगझू 2022 खेलों की तुलना में स्वर्ण पदक की संख्या सात कम रही। भारत ने हांगझू में कुल 106 पदक जीते थे और पहली बार 100 पदक के आंकड़े को पार किया था। आइची-नागोया अभियान एक मिला-जुला सफर रहा, जहां कुछ उम्मीद के मुताबिक आए परिणामों की जगह निराशाओं ने ले ली, लेकिन अंत में एक मजबूत फिनिश ने पूरे अभियान का रंग-रूप बदल दिया।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर स्पोर्ट्स स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी।



आखिरी दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझू एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझू में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलिंपिक टिकट मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं। लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल - भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है।

350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत, राहुल का शानदार शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। भारत-वेस्टइंडीज तीसरे वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स बने। ● भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी - भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।



● सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित - रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे। ● रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए - रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

● भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की - भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी। ● भारत ने 45वीं बार 350+ रन बनाया - भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है। ● भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए - भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे। भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।

संपत्ति कर के सेटलमेंट में कथित गड़बड़ी, जांच की मांग

नगर निगम की राजस्व शाखा पर करोड़ों के फर्जीवाड़े का आरोप, नेता प्रतिपक्ष विनीत कंसाना ने 10 साल के रिकॉर्ड के ऑडिट की उठाई मांग

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। नगर पालिक निगम मुरैना की राजस्व शाखा में संपत्ति कर वसूली को लेकर कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष विनीत कंसाना ने आरोप लगाया है कि वर्षों से संपत्ति कर बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं के साथ कथित रूप से अवैध सेटलमेंट कर निगम के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।श्री कंसाना के अनुसार, कई उपभोक्ताओं पर वर्षों से 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक का संपत्ति कर बकाया है। आरोप है कि कुछ मामलों में कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से बकाया राशि को कम रकम में निपटाने का कथित खेल चल रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसी उपभोक्ता पर एक लाख रुपये बकाया होने पर कथित तौर पर 50 हजार रुपये में मामला निपटाने की बात तय की जाती है, जबकि निगम के रिकॉर्ड में केवल चालू वित्तीय वर्ष की करीब 15 हजार रुपये की रसीद दर्ज कर पुराने बकाये को शून्य दिखावे का आरोप है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि उपभोक्ता से ली गई शेष राशि निगम के राजस्व खाते में जमा नहीं होकर निजी तौर पर रखे जाने की आशंका है। इससे राजस्व रजिस्टर, कैशबुक और डिमांड रजिस्टर में वास्तविक लेनदेन का पूरा विवरण दर्ज नहीं होने का दावा किया गया है। उनका कहना है कि यदि इस तरह के मामले बड़ी संख्या में हैं तो निगम को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।



10 साल के रिकॉर्ड के फॉरेसिक ऑडिट की मांग

कंसाना ने वर्ष 2016 से 2026 तक संपत्ति कर से संबंधित सभी रसीदों का फॉरेसिक ऑडिट कराने की मांग की है। इसके साथ ही उपभोक्ता-वार बकाया और जमा राशि का मिलान, डिमांड रजिस्टर, कैशबुक और राजस्व रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की गई है। उन्होंने मामले की लोकायुक्त और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) से जांच कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई और एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। श्री कंसाना ने कहा कि नगर निगम जनता से प्राप्त राजस्व से संचालित होता है और प्रत्येक रुपये का हिसाब होना जरूरी है। निष्पक्ष जांच से ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि संपत्ति कर वसूली में किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता या सरकारी धन के गबन की स्थिति बनी है या नहीं।

अग्रसेन जयंती पर बाल मेले में बच्चों ने सजाई खाद्य पदार्थों की स्टॉल



भारतमत रिपोर्टर

जौरा। अग्रसेन जयंती के अवसर पर जिला युवा अग्रवाल महासभा इकाई जौरा द्वारा अग्रवाल धर्मशाला में बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में करीब 32 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी-अपनी स्टॉल सजाई। बच्चों ने चाट-पकौड़ी, आइसक्रीम, स्नैक्स, चिप्स, फ्रिंजर, मोमोज, छोले-भटूरे, पाव-भाजी, टिकिया-भक्ष्म सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों की स्टॉल लगाई। मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर बच्चों द्वारा लगाए गए स्टॉल का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर

माल्यार्पण एवं आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल महासभा अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंघल, ईजीनियर जगदीश प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, कोषाध्यक्ष बनवारी लाल मित्तल, आनंद प्रकाश गर्ग, महामंत्री सूरज गर्ग सहित गुलशन बंसल, सौरभ मंगल, दिव्यांशु मंगल, शुभम गुप्ता, सचिन मित्तल, गगन अग्रवाल, जतिन गोयल, विशाल गर्ग, अभिषेक गुप्ता, दुर्गेश मित्तल, आयुष मित्तल, मोहित बंसल, रोहित मंगल, तरुण गुप्ता, अमित मंगल, प्रियांशु मंगल, प्रियांशु मित्तल, अमन गोयल, नीतेश सिंघल, हर्षित गोयल सहित समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर आज होगा मंथन

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर अमर शहीद बिस्मिल शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा संस्थान द्वारा आज सोमवार को 'शिक्षा, शिक्षक, नवाचार और राष्ट्र निर्माण' विषय पर शिक्षक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। संगठन कार्यालय पर होने वाले कार्यक्रम में शिक्षा के बदलते स्वरूप, शिक्षण में नवाचार, शिक्षक की बदलती भूमिका तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान पर चर्चा होगी। इस दौरान शिक्षकों का सम्मान भी किया जाएगा। फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ. नरेश सिंह सिकरवार ने बताया कि संगोष्ठी में शिक्षाविद, वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षक तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि बदलते तकनीकी दौर में शिक्षक की भूमिका केवल विषयगत ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, रचनात्मकता, अनुशासन, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी आवश्यक है।

खेत की तिवरिया से 977 क्वार्टर अवैध शराब बरामद, आरोपी गिरफ्तार

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। थाना चित्रौनी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हुसैनपुर-महादेवा रोड स्थित मिलऊआ तिराहे के पास खेत में बनी एक तिवरिया में दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 पेटी और 3 कट्टों में रखे 977 क्वार्टर देशी मसाला शराब जब्त किए हैं।पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि मिलऊआ तिराहे के पास खेत में बनी तिवरिया में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना पर चित्रौनी पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दबिश दी। तलाशी के दौरान तिवरिया से 15 पेटी एवं 3 कट्टे मिले। इन्हें चौक करने पर कुल 977 क्वार्टर (175.86 बल्क लीटर) देशी मसाला शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 97,700 रुपए बताई गई है। मौके पर शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस ने पूरी शराब को जब्त कर लिया। मामले में थाना चित्रौनी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 123/26, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अंडर-18 इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में भिंड ने मुरैना को हराया

मुरैना। चंबल डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-18 इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में भिंड ने मुरैना को पहली पारी के आधार पर हरा दिया। मुकाबले में मुरैना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भिंड ने करण तोमर के 132 और अश्व सिंह के 106 रनों की शानदार पारियों की बदौलत 90 ओवर में 369 रन बनाए।

डबल हनुमान मंदिर की सड़क के लिए 30 लाख का टेंडर जारी

- महापौर-आयुक्त ने मौके का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश, 15 से 20 दिन में निर्माण पूरा कराने का आश्वासन



भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। शहर के प्रसिद्ध डबल हनुमान मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम ने सड़क निर्माण के लिए करीब 30 लाख रुपए का टेंडर जारी किया है। रविवार को नगर निगम महापौर राकेश ममता गर्ग एवं आयुक्त ने मौके पर पहुंचकर सड़क की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व इंजीनियरों को निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए। मौके पर मंदिर समिति के पदाधिकारियों से भी सड़क निर्माण को लेकर चर्चा की गई। नगर निगम की ओर से बताया गया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। निर्माण कार्य 20 दिनों में पूरा होना है।

भारतमत रिपोर्टर

जाएगा।सड़क निर्माण को लेकर मौके पर नगर निगम अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में चर्चा हुई। स्थानीय वार्ड के पार्षद एवं पार्षद ममता राकेश गर्ग सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कांग्रेस के संभावित महापौर प्रत्याशी ओमप्रकाश खटीक, राजकुमार पाठक, रिकू मावई, पुरुषोत्तम मावई, दीपक शर्मा सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर सड़क की स्थिति देखी और नगर निगम आयुक्त एवं इंजीनियरों से चर्चा की। नेताओं ने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए सड़क निर्माण जल्द कराने की मांग रखी। मौके पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सहित भाजपा पार्षद बदन सिंह यादव, राजा डंडेलिया, योगेंद्र मावई

और युवराज डंडेलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। सभी ने मंदिर परिसर एवं सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने पर जोर दिया।

लंबे समय से की जा रही थी सड़क निर्माण की मांग

मंदिर समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, डबल हनुमान मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क के निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए संबंधित जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर निगम को पत्र एवं मांग-पत्र भी दिए गए थे। समिति ने बताया कि वार्ड क्रमांक 23 की पार्षद ममता राकेश गर्ग, विधायक दिनेश गुर्जर, ओमप्रकाश खटीक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से सड़क निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी है।

श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को मिलेगी सुविधा

डबल हनुमान मंदिर शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। यहां विभिन्न अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सड़क निर्माण होने से मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ आसपास के लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

सेवा संकल्प के तहत आंगनबाड़ी मिलन समारोह आयोजित

भारतमत रिपोर्टर



सहायक सांख्यिकी अधिकारी बांबी शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र विभागीय योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यकर्ताओं की बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका है। सेक्टर पर्यवेक्षक भगवती शर्मा ने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की नियमित उपस्थिति, पोषण गतिविधियों और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने को लेकर जानकारी दी। नगरपालिका अध्यक्ष मनीषा बल्लू सोनी ने कार्यकर्ताओं से जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उपाध्यक्ष यशकांत शर्मा ने भी कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना की। समारोह में सहायक सांख्यिकी अधिकारी बांबी शर्मा, सेक्टर पर्यवेक्षक भगवती शर्मा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अर्चना शर्मा, ज्योति शर्मा, रेखा परमार, रानी, रूबी, राजकुमारी सहित अन्य कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं मौजूद रहीं।

वन चौकी से जब्त सामान ले जाने के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

भारतमत रिपोर्टर

कैलारस। पहाड़गढ़ थाना पुलिस ने वन चौकी कन्हार से जब्त किए गए सामान को जबरदस्ती ले जाने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया लोहे का हल एवं अन्य सामग्री भी बरामद की है।पुलिस के अनुसार वन चौकी कन्हार के वनरक्षक सुनील त्यागी ने थाना पहाड़गढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शनिवार को कन्हार गांव निवासी वीरेंद्र जाटव अपने अन्य साथियों के साथ वन चौकी पर पहुंचा। करीब एक माह पूर्व वनभूमि पर अवैध खेती किए जाने के मामले में जब्त किए गए लोहे के हल एवं अन्य सामग्री को



आरोपी जबरदस्ती ले जाने लगे। वनरक्षक द्वारा रोकने का प्रयास करने पर आरोपियों ने गाली-गलौच करते हुए धमकी दी।फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पहाड़गढ़ में अपराध क्रमांक 158/2026 के तहत धारा 307, 296(बी), 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। थाना प्रभारी सोहनपाल सिंह तोमर ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए प्रकरण में फंसा चल रहे आरोपी वीरेंद्र पुत्र नथ्या जाटव, नीरज पुत्र नथ्या जाटव, संजय पुत्र नथ्या जाटव, रिकू पुत्र नथ्या जाटव और भारत पुत्र नथ्या जाटव, सभी निवासी कन्हार, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वन चौकी से ले जाया गया लोहे का हल एवं अन्य सामग्री जब्त कर ली है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की विवेचना की जा रही है।

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। सेवा सप्ताह के तहत लायंस क्लब मुरैना एलिट द्वारा जिला अस्पताल के सामने विशाल डायबिटीज चैकअप कैंप का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष लॉयन अंजना शिवहरे के नेतृत्व में आयोजित शिविर में 400 से अधिक लोगों की डायबिटीज जांच की गई। सुबह से ही जांच कराने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही।शिविर का उद्देश्य लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच के लिए प्रेरित करना रहा। इस दौरान लोगों को खान-पान में सावधानी बरतने, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी गई। शिविर में लायंस क्लब के सभी 11 चौपटर के सदस्यों ने संयुक्त रूप से सहभागिता की। अध्यक्ष

लॉयन अंजना शिवहरे, आईपीपी लॉयन भारती मोदी,



स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

सचिव लॉयन अनुराधा गर्ग, कोषाध्यक्ष लॉयन अंशुल गोेलश, लॉयन कंचन चावला, लॉयन दीपिका गर्ग, लॉयन ऋषा राठी, लॉयन मीरा मंगल, लॉयन रानी मंगल सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष अंजना शिवहरे ने कहा कि सेवा सप्ताह का उद्देश्य जनसेवा के साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। 400 से अधिक लोगों की जांच के साथ शिविर जनहित और

देश की राजधानी दिल्ली और मेरे दिल की राजधानी ग्वालियर-चम्बल अंचल: डॉ जमाल

- रोटरी क्लब मुरैना के निःशुल्क हृदय एवं किडनी रोग परीक्षण शिविर में 289 मरीजों की हुई जांच।

भारतमत रिपोर्टर

मुरैना। रोटरी क्लब मुरैना द्वारा रविवार को मुरैना में निःशुल्क हृदय एवं किडनी रोग परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। सेवा के इस महाकुंभ में देश के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए कुल 289 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया। शिविर में जी.बी. पंत हॉस्पिटल, नई दिल्ली के प्रख्यात कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. यूसुफ जमाल, डी.एम. कार्डियोलॉजी, बिरला हॉस्पिटल ग्वालियर के डॉ. प्रवीण मंगल तथा किडनी रोग



विशेषज्ञ डॉ. रोहित खंडेलवाल, निःशुल्क हृदय एवं किडनी रोग परीक्षण शिविर में

भारतमत रिपोर्टर

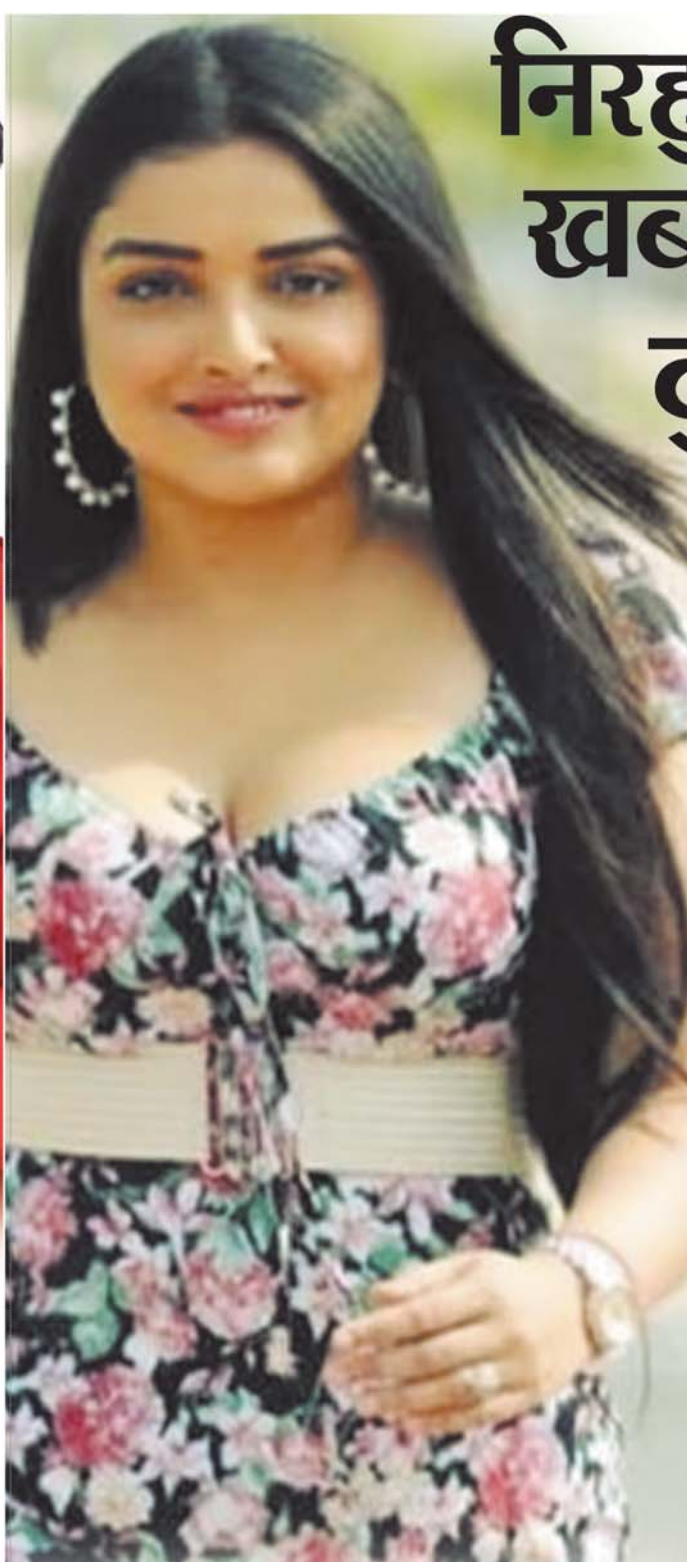
प्रख्यात कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. यूसुफ जमाल ने ग्वालियर-चंबल अंचल के प्रति अपने आत्मीय लगाव को व्यक्त करते हुए कहा देश की राजधानी दिल्ली है, लेकिन मेरे दिल की राजधानी ग्वालियर-चंबल अंचल है। डॉ. जमाल के इस आत्मीय उद्बोधन का उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। उनका यह कथन इस अंचल के प्रति उनके गहरे लगाव और सेवा-समर्पण को दर्शाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में देश की राजधानी दिल्ली में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने के बावजूद अपने अंचल के लोगों के लिए समय निकालकर सेवा देना निश्चित रूप से प्रेरणादायी है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक सुरेंद्र डाबर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपध्याय, शिविर संयोजक डॉ. के.के. गुप्ता, डॉ. राहुल गुप्ता, डॉ. देव गर्ग, रोटरी क्लब मुरैना के अध्यक्ष तरुण शर्मा, सचिव गौरव मोदी, कोषाध्यक्ष चंचल मंगल सहित क्लब के पदाधिकारी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में किडनी रोग विशेषज्ञ द्वारा 74 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श दिया गया, जबकि हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने 215 मरीजों की जांच की। हृदय रोग से संबंधित मरीजों की शिविर स्थल पर ही निःशुल्क ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच की गई। इससे मरीजों को एक ही स्थान पर प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के साथ देश के अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त करने का अवसर मिला।



आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है। आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेजिल डायस भी मौजूद थे। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहेल नथर, मुकुल देव, वज्रेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुवीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता ताबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब

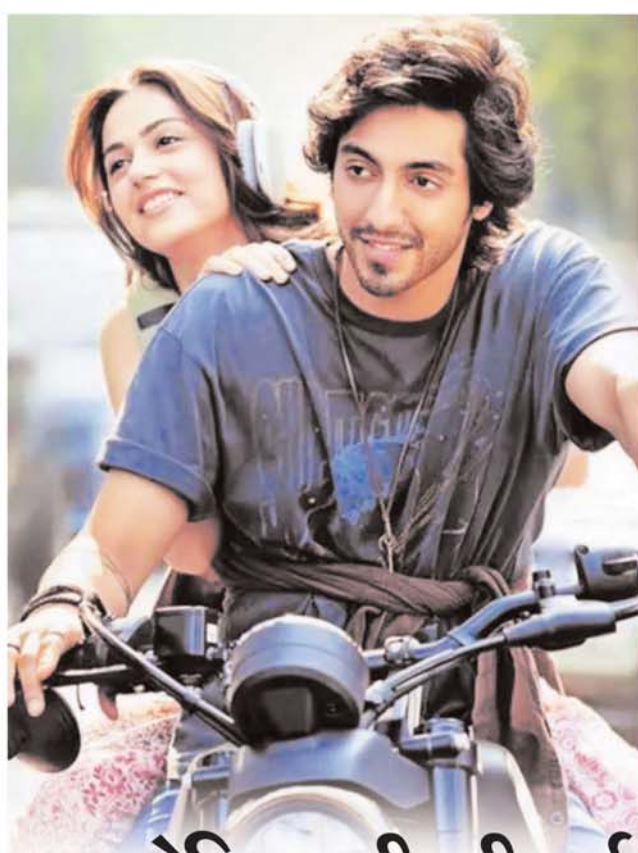


कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें पूर रहे हैं। फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर प्लॉट होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।' यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर प्लॉट हो गई थी।

निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं। आम्रपाली ने कहा, 'जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं सिर्फ उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूँ। फिर वह हंसना शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती हैं, 'लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेचारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या

बताऊँ? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।' आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शो में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे: सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शो में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चलन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत कैमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।



मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म 'सैयारा' से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पट्टा और अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नहीं बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे। साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पट्टा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की

अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पट्टा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है। फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली 'सतरंगा' ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना

'सैयारा' बनाने वाले अक्षय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी। मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है यहाँ ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म 'सैयारा' से अहान की बतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई।



'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुई शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3: द कन्वूलज' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातों और उसके पीछे का जब्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूँ और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।



रघुवीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातों की

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुवीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में हैं। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातों की हैं।

बीते सालों में रघुवीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूँ, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूँ कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएफडी रैपटरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो

गया, तो फिर बस छत्ती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूँ, अपने रोल के साथ न्याय करूँ, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोली, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूँ, घर चलाने के लिए काम तो करना है।' उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।' रघुवीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता-पुत्र के बीच जनरेशन



गेप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुवीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अखीर) के पिता हैं। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुवीर का मानना है कि बच्चों और पैरेंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अखीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'



छात्रों ने दिया स्वच्छता, नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा का त्रिवेणी संदेश

ईस्टर्न हाइट्स पब्लिक स्कूल के छात्रों ने नुककड़ नाटक और रैली से बांधा समॉ

भारतमत्त रिपोर्टर/ शिवपुरी

स्थानीय ईस्टर्न हाइट्स पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सामाजिक सरोकार की अनूठी मिसाल पेश करते हुए हर वर्ष की भाँति शहर में एक भव्य जागरूकता रैली और नुककड़ नाटक का आयोजन किया। इस विशेष अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल स्वच्छ भारत और नशा मुक्त भारत का आह्वान किया, बल्कि आज के डिजिटल युग की सबसे बड़ी जरूरत साइबर सुरक्षा (Cyber Security) के प्रति भी आम जनमानस को जागरूक किया। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए छात्र 'नशा भगओ, जीवन बचाओ', 'स्वच्छता अपनाना है, देश को सुंदर बनाना है' और 'सतर्क रहें, साइबर फ्रॉड से बचें' जैसे गान भेदी नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख चौराहों से गुजरे। शहर के मुख्य बाजार और मार्ग माधव चौक चौराहे



पर स्कूल के छात्रों ने एक बेहद प्रभावशाली नुककड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक के माध्यम से बच्चों ने तीन प्रमुख विषयों को बेहद संजीवनी से दिखाया।

1- स्वच्छता का संदेश: बच्चों ने अभिनय के जरिए दिखाया कि कैसे छोटी-सी लापरवाही और हर कहीं कचरा फेंकने से बीमारियाँ फैलती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के वातावरण को साफ रखें और गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालें। साथ ही पॉलीथीन के स्थान पर कपड़े और पेपर बैग का इस्तेमाल करे।

2- नशा मुक्ति का संकल्प: नाटक के दूसरे भाग में दिखाया गया कि कैसे नशे की लत न सिर्फ एक हंस्ते-खेलते युवा की जिंदगी बर्बाद करती है, बल्कि पूरे परिवार को आर्थिक और सामाजिक रूप से तोड़ कर रख देती है। छात्रों ने युवाओं से हर प्रकार के मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील की।



3- साइबर सुरक्षा की पाठशाला: इंटरनेट और स्मार्टफोन के बढ़ते दौर में हो रहे फ्रॉड को लेकर छात्रों का प्रदर्शन लाजवाब रहा। नाटक में दिखाया गया कि कैसे किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने, लॉटरी के लालच में आने या अपना ओटीपी (हज्जक) शेयर करने से बैंक खाते खाली हो जाते हैं। बच्चों ने राहगीरों को समझाया कि मजबूत पासवर्ड रखें और साइबर अपराधियों से हमेशा सतर्क रहें। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल के संचालक सुबोध अरोरा एवं श्रीमती नीलम अरोरा की साथ समस्त विद्यालय स्टाफ ने छात्रों के इस प्रयास की जमकर सराहना की।

राजनीतिक पार्टियां अब कुशवाहा समाज के संगठन को पहचानने लगी हैं: हिना कावरे

शिवपुरी में लव-कुश जयंती की धूम : सांसद भरत सिंह बोले- ‘भाजपा ने कुशवाहा समाज को विधायक, मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक बनाया’

भारतमत्त रिपोर्टर/ शिवपुरी

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कुशवाहा समाज शिवपुरी द्वारा शहर में भगवान लवकुश जयंती का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद मान भारतसिंह कुशवाहा नए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने न केवल कुशवाहा समाज को विधायक, सांसद, मंत्री व बिहार में मुख्यमंत्री व उत्तर प्रदेश में उपमुख्यमंत्री भी दिए हैं, इसलिए समाज को संगठित होकर आगे बढ़ना चाहिए। इसके बाद उन्होंने आगे बच्चों को शिक्षित होने के साथ-साथ राजतंत्र राजनीति में सक्रियता से आगे आने की अलावा अन्य चीजों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब हमारा समाज हम जैसा चाह रहे थे वैसा भी बन गया है, इसलिए हम अब सौभाग्यशाली हैं कि कुशवाहा जैसे समाज में हम जन्मे हैं और हमारा समाज भी हमारा जैसा नहीं सोच के साथ आगे बढ़ रहा है न केवल शिक्षा बल्कि राजनीति में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। इसके बाद पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष दीदी हिना कावरे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब राजनीतिक पार्टियों भी समाज के संगठन और जनसंख्या के हिसाब से सम्मान देने लगी है, ईसी का परिमाण है कि कुशवाहा समाज भी संगठित होकर के एक जगह मतदान करने लगा है और राजनीतिक पार्टियों को भी एहसास करने लगा है कि कुशवाहा समाज भी एक ऐसा सामाज है जो जिसका चाहेगा उसका राजनीति में मुकाम हासिल कर सकेगा इसके बाद उन्होंने अन्य विषयों पर भी चर्चा की और आगे उन्होंने मंच से विश्वास दिलाया कि पंजाब चुनाव के बाद में मध्य प्रदेश के सभी विधानसभा जहां



भगवान लव कुश हनुमान जी की प्रदर्शनी रही आकर्षक

मीडिया प्रगरी नरेश कुशवाह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे अथाई मोहल्ला, पुरानी शिवपुरी से एल समारोह के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुये जैसे गुरुद्वारे, माधव चौक चौराहा, गांधी चौक, कोर्ट रोड, अस्पताल चौराहा, एमएन चौराहा, घोड़ा चौराहा होते हुये कार्यक्रम स्थल महकाला होटल, न्यू बस स्टैंड, शिवपुरी पर पहुँची, जहां समाज बंधुओं द्वारा भगवान लवकुश के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर रंगारंग कार्यक्रम किया गया, इस मौके पर भगवान लव कुश सहित हनुमान जी की बाल स्वरूप में प्रदर्शित करें की गई प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। इस मौके पर भारतसिंह कुशवाहा सांसद ग्वालियर, सहित विशिष्ट अतिथि-सिद्धार्थ कुशवाहा डब्लू गैर्या, दीदी हिना कावरे विधानसभा उपाध्यक्ष कांग्रेस, पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा, बैजनाथ कुशवाहा पूर्व विधायक सबलगाढ़, समाजसेवी राजगीराल कुशवाहा, पूर्व पार्षद हरि सिंह कुशवाहा, समिति अध्यक्ष पवन कुशवाहा सहित समाज के समाज सेवी सहित युवाओं में बड़-चढ़कर भाग लिया।

कुशवाहा बहुत है वहां पर भ्रमण कर राजनीति की चेतना जगाने का कार्य करूंगा। इसके बाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पोहरी विधायक कैलाश कुशवाहा ने भी समाज को संगठित होकर शिक्षा के साथ-साथ राजनीति में भागीदारी करने के अलावा उन्होंने कहीं समाज उत्थान पर चर्चा की, उन्होंने कहा कि समाज में फेली कुर्रतियों को दूर करना है, मृत्यु भोज जैसे अन्य फिजूल खर्चों को कम करते हुए बच्चों के शिक्षा पर जोर दिया। साथ ही सभी युवाओं को संगठित होने के साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भागीदार करने की बात कही। इसके बाद कार्यक्रम में समाज विकास व संगठित रहने के अलावा शिक्षा पर जोर देते हुए सबलगाढ़ के पूर्व विधायक बैजनाथ कुशवाहा ने भी अपनी प्रमुख बातें रख, इस मौके पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश सिंह कुशवाहा ने भी समाज के इतिहास पर वर्णन डालते हुए अपने व्याख्यान दिए, वहीं सतना के विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने भी अपने समाज के महापुरुषों ने लगाए पेड़ों से आगे आने वाली पीढ़ी किस तरीके से लाभ लेती है उसका वर्णन करते हुए हमारे समाज के गौरवशाली इतिहास का वर्णन करते हुए महापुरुषों के चित्रण पर चलने की बात कही।

सरकार आपके द्वार : पोहरी नगर पंचायत में लगा मेगा सेवा सेतु शिविर

मुख्य अतिथि रश्मि नेपाल वर्मा और एसडीएम जेपी गुप्ता की मौजूदगी में हितग्राहियों को मिले प्रमाण पत्र, खिले लाभार्थियों के चेहरे



भारतमत्त रिपोर्टर/ पोहरी

नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में 'मेगा सेवा सेतु शिविर (सरकार आपके द्वार)' का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष रश्मि नेपाल वर्मा, एस डीएम जेपी गुप्ता, नगर पंचायत उपाध्यक्ष कृष्ण लता संजीव शर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आशुतोष जैमिनी, जनपद अध्यक्ष श्रीमति रामकली आदिवासी, तहसीलदार पोहरी मुकेश धाकड़, पार्षद नगर पंचायत उपाध्यक्ष पतिसंजीव शर्मा बंटी भैया, एस आई पुलिस कोठारी बोएमओ डॉ. दुरिका धाकड़, बीरु वर्मा आर आई नगर पंचायत बरिष्ठ पार्षद अशोक गुर्जर, इंजीनियर सतेन्द्र गणवाल, महामंत्री प्रकाश धाकड़, महामंत्री पप्पू सिंघेल, उपाध्यक्ष मनीष नामदेव, रिक् देशमुख पार्षद पति

रमेश यादव, डॉ. मेघा कोली, डॉ. अरविन्द वर्मा, डॉ. लवलेख दीवान, बीनस तोमर, डॉ. महेंद्र राजे सुमन सोलंकी, डॉ. अनिल धाकड़, डॉ. अंशिका त्रिपाठी डॉ. बीनस राजपूत, आकाश रावत महिलाबाल विकास पर्यवेक्षक सुमन वर्मा लेखापाल पवध परमार देवेंद्रओझा गिराज चतुर्वेदी चंदा यादव लवकुश रावत शोभाग्राम धाकड़ अमित धाकड़ चाँद खाँ उदय धाकड़ अमित वर्मा कल्याण धाकड़ रोहन सेन भानू वर्मा राजेंद्र वर्मा गोविंदा कलावत शिवनंदन धाकड़ सहित पत्रकारगण सहित शिविर में ग्रामीणजन एवं हितग्राही पहुंचे। ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं शासन की योजनाओं से संबंधित परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न विभागों द्वारा

दी जा रही नागरिक सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्राप्ति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों के बीच पहुंचे अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ दिलाने पर दिया जोर 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत आयोजित शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ही लोगों को शासन की सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना रहा। शिविर में राजस्व विभाग स्वास्थ्य विभाग कृषि विभाग विधुत विभाग नगर पंचायत विभाग पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी नागरिक सेवाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा उनकी समस्याओं का निराकरण कर लाभार्थी हितग्राही के प्रमाण पत्र वितरित किए इसके बाद स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

सरकार आपके द्वार' पहल से जनता को मिलेगा योजनाओं का सीधा लाभ: रविंद्र शिवहरे

कोलारस नगर पंचायत में सेवा सेतु शिविर का आयोजन, हितग्राहियों को बांटे गए जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ प्रमाण-पत्र



भारतमत्त रिपोर्टर/ कोलारस

नगर परिषद कोलारस में रविवार को मध्यप्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सेवा सेतु शिविर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। शिविर में मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लाभ प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस

दौरान आमजनों की समस्याओं व आवेदनों का त्वरित निराकरण भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविंद्र शिवहरे ने कहा कि सरकार आपके द्वार' पहल से अब जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष भरत सिंह चौहान, पूर्व मंडी अध्यक्ष हरवीर रघुवंशी, पूर्व नप अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे, भाजपा मंडल अध्यक्ष मंगल कुशवाहा एवं नगर परिषद अध्यक्ष प्रियंका सोढ़ी शिवहरे, एसडीएम शिवदयाल

धाकड़, तहसीलदार प्रदीप भार्गव, सीएमओ रमेश भार्गव, ओपी भार्गव, राम सडैया, देशपाल राजावत, दीपक जैन, नवल सोलंकी, प्रताप भानु जाट, रामबाबू शिवहरे, जसवंत पाल, प्रवीण कटार, संदीप चंदेल और दीपक रघुवंशी उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नगरवासी व हितग्राही मौजूद रहे।



भारतमत्त रिपोर्टर/ शिवपुरी

शनिवार को जनपद पंचायत शिवपुरी के प्रांगण में जन सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन ने जन सेवा सेतु शिविर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं को सीधे आम जनता और अंतिम व्यक्ति तक सरल, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से पहुंचाना ही 'जन सेवा सेतु शिविर का मुख्य उद्देश्य है। आपको बता दें कि शिविर में 20 विभागों द्वारा शासन की विभिन्न

अधिकारी सुश्री सोनम जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन ने जन सेवा सेतु शिविर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं को सीधे आम जनता और अंतिम व्यक्ति तक सरल, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से पहुंचाना ही 'जन सेवा सेतु शिविर का मुख्य उद्देश्य है। आपको बता दें कि शिविर में 20 विभागों द्वारा शासन की विभिन्न



जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। शिविर के दौरान कुल 700 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 650 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। साथ ही लगभग 50

हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। इनमें अंगुष्ठ सहायता, संबल एवं कर्मकार पंजीयन, कल्याणी पेंशन, आवास योजना, जाँब कार्ड आजीविका मिशन एवं स्वास्थ्य शिविर सहित अन्य योजनाओं का लाभ शामिल रहा।

पोहरी बस स्टैंड पर धंसा ट्रक: कमजोर बेस ने खोली सड़क निर्माण की पोल, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

पोहरी। शिवपुरी से गोरस तक करीब 85 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों प्रगति पर है, लेकिन निर्माणधीन सड़क की गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ताजा मामला पोहरी बस स्टैंड क्षेत्र से सामने आया है, जहां सड़क निर्माण के दौरान कमजोर बेस के चलते एक ट्रक सड़क में धंस गया। ट्रक के पहिए धंसने से आवागमन प्रभावित हुआ और मौके पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई।



स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण में तैयार किए जा रहे बेस में मजबूती का अभाव दिखाई दे रहा है। भारी वाहनों के गुजरने के दौरान सड़क की सतह धंसने लगती है, जिसके चलते वाहनों के पहिए फंस रहे हैं। इससे वाहन चालकों को निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर व्यस्त पोहरी बस स्टैंड क्षेत्र में इस तरह की स्थिति राहगीरों के लिए भी परेशानी का कारण बन रही है।

पोहरी बस स्टैंड पर ट्रक के फंसने के बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई। दोनों ओर से आने-जाने वाले वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनने लगी। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि निर्माणधीन सड़क का बेस अभी से भारी वाहनों का भार नहीं सह पा रहा है, तो निर्माण पूरा होने के बाद इसकी मजबूती और टिकाऊपन कितना रहेगा? शिवपुरी-गोरस सड़क निर्माण को लेकर पूर्व में भी निर्माण गुणवत्ता से संबंधित खबरें

और शिकायतें सामने आती रही हैं। सोशल मीडिया पर भी सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर कई बार सवाल उठाए जा चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य की गुणवत्ता की प्रभावी निगरानी को लेकर लोगों में असंतोष नजर आ रहा है। आपको बता दें कि सड़क निर्माण में यदि बेस तैयार करने के दौरान निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा है तो इसकी जिम्मेदारी केवल ठेकेदार की ही नहीं, बल्कि

निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले संबंधित अधिकारियों की भी बनती है। अखिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कौन कर रहा है और भारी वाहनों के दबाव में सड़क क्यों धंस रही है, यह जांच का विषय है। अब देखना यह की क्या संबंधित विभाग सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कर दोषी पाए जाने पर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करेगा, या फिर यह मामला भी महज खानापूती तक सीमित रह जाएगा ?